



धर्म ध्यान दूसरों के माध्यम से नहीं होता, उसके लिए स्वयं कमर कसना चाहिये।

Religious meditation is not attained through others, for is one must resolve him self.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

● अंक : 95 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, बुधवार 14 अक्टूबर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रुपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा हमारा मिशन : राहुल गांधी

■ विपक्ष ने कहा- वोट के साथ धरनास्थल भी चोरी हो रहे



नई दिल्ली। दिल्ली में राहुल गांधी के आवास पर इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद विपक्षी नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राहुल गांधी ने कहा- देश में लोकतंत्र को बर्बाद किया जा रहा है और यह लड़ाई अलग-अलग नहीं, बल्कि एक ही आंदोलन है। उन्होंने कहा- मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश का इस्तीफा हमारा मिशन है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- वोट चोरी के प्लान को उजागर करने के लिए विपक्ष एक साथ है। तेजस्वी यादव, सुप्रिया सुले सहित अन्य विपक्षी पार्टियों के

नेताओं ने आरोप लगाया कि वोट के साथ अब धरनास्थल भी छीने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम लोगों के अधिकारों की रक्षा और लोकतंत्र को बचाने के लिए आंदोलन जारी रहेगा। राहुल ने अपने आवास पर विपक्षी नेताओं और छात्र संगठनों को चाय पर चर्चा के लिए बुलाया था। बैठक में ज्ञानेश कुमार और SIR के विरोध में आंदोलन को आगे बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा हुई।

राहुल गांधी एसआईआर के बहाने घुसपैटियों को बचा रहे: अमित शाह

■ 2029 में लगातार चौथी बार उनकी हार होगी, इंडिया ब्लॉक के प्रदर्शन के बीच पहला बयान



नई दिल्ली। देश भर में SIR और चुनाव आयोग के खिलाफ आंदोलन के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पहली बार बयान दिया। उन्होंने कहा- राहुल गांधी SIR की आड़ में घुसपैटियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इस देश की जनता उनके एजेंडे को अच्छी तरह समझती है। शाह ने कहा- मैं राहुल और उनके साथियों से कहना चाहता हूँ कि 2029 में एक बार फिर करारी हार के लिए तैयार रहें। 2029 के लोकसभा चुनाव में NDA भारी बहुमत से जीत हासिल करेगा और कांग्रेस को लगातार चौथी हार का सामना

करना पड़ेगा। इस देश की जनता पीएम मोदी, भाजपा और NDA के साथ खड़ी है। आप इस सच्चाई को नकार नहीं सकते। शाह ने चुनाव नतीजों के लिए बैलेट मशीनों को जिम्मेदार ठहराने वालों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिन चुनावों का वह जिम्मेदार कर रहे हैं, वे बैलेट पेपर से कराए गए थे। शाह ने दावा किया कि इससे भाजपा की जीत के लिए बैलेट मशीनों को जिम्मेदार ठहराने का तर्क

खारिज होता है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में 33 साल से कांग्रेस का कोई मुख्यमंत्री नहीं बना है और पश्चिम बंगाल में कांग्रेस 54 साल से कोई चुनाव नहीं जीती है। शाह ने राहुल गांधी से सवाल किया कि क्या इन नतीजों को भी एसआईआर से जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि एसआईआर 2024 के बाद लागू हुआ, जबकि कांग्रेस उनके प्रमुख नेता, पार्टी अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद से लगातार चुनाव हार रही है। अमित शाह ने गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की जीत का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी ने कुल 104 सीटों में से 90 सीटें जीती हैं। उन्होंने दावा किया कि गुजरात के मतदाता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मजबूती से खड़े हैं।

भविष्य की जरूरतों के अनुरूप हो अधोसंरचना का निर्माण : सीएम साय



■ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की अधोसंरचना मिशन की उच्चस्तरीय समीक्षा

रायपुर (विश्व परिवार)। मजबूत अधोसंरचना किसी भी राज्य के दीर्घकालिक आर्थिक और सामाजिक विकास का आधार होती है। छत्तीसगढ़ में सड़क, भवन और अन्य सार्वजनिक अधोसंरचनाओं का निर्माण केवल वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि आने वाले दशकों की जरूरतों, बढ़ती आबादी, औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों और बदलती तकनीक को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। राज्य में होने वाले प्रत्येक पूंजीगत निवेश का अधिकतम लाभ प्रदेश की अर्थव्यवस्था और आम नागरिकों तक पहुंचे, यह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। बैठक में अधोसंरचना विकास के लिए पूंजीगत व्यय की प्राथमिकताएं, परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन, सड़क नेटवर्क का दीर्घकालिक विकास, सार्वजनिक परिसंपत्तियों का रखरखाव, आधुनिक निर्माण तकनीक, विभागीय समन्वय और आगामी कार्ययोजना सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 'अंजोर विजन 2047' के अनुरूप

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के दीर्घकालिक लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में आधुनिक, सुदृढ़ और टिकाऊ अधोसंरचना की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसके लिए पूंजीगत व्यय करने वाले सभी विभागों को अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट करते हुए समन्वित और दीर्घकालिक कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ना होगा।

आर्थिक और सामाजिक प्रभाव हो परियोजनाओं की प्राथमिकता का आधार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अधोसंरचना पर किया जाने वाला व्यय केवल निर्माण पर होने वाला खर्च नहीं, बल्कि प्रदेश के भविष्य में किया गया निवेश है। इसलिए परियोजनाओं का चयन करते समय यह आकलन किया जाना चाहिए कि संबंधित परियोजना से आवागमन, उद्योग, व्यापार, कृषि, पर्यटन, रोजगार और नागरिक सुविधाओं पर क्या प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य के वित्तीय संसाधनों का उपयोग ऐसी परियोजनाओं में प्राथमिकता से किया जाए, जिनसे अधिक से अधिक नागरिकों को लाभ मिले, आर्थिक गतिविधियों का विस्तार हो और संबंधित क्षेत्र के विकास की नई संभावनाएं खुलें।

परियोजनाओं की प्राथमिकता केवल तात्कालिक आवश्यकता के आधार पर तय न होकर उनके दीर्घकालिक आर्थिक और सामाजिक प्रभाव के आधार पर भी निर्धारित की जाए।

बरस्तर के जैविक वनोपजों को मिलेगी वैश्विक पहचान

■ दंतेवाड़ा की महिला किसान उत्पादक कंपनी को मिला राष्ट्रीय जैविक प्रमाणपत्र



संभावना है।

लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहे बरस्तर में यह पहल आजीविका और आर्थिक सशक्तिकरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

केन्द्र और राज्य सरकार के प्रयासों से क्षेत्र में शांति और विकास के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। इसी क्रम में अब बरस्तर की प्राकृतिक संपदा को स्थानीय महिलाओं की आर्थिक समृद्धि से जोड़ने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जैविक प्रमाणिकरण से वनोपजों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रीमियम जैविक बाजार उपलब्ध होने के साथ साथ अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक निर्यात की संभावनाएं खुलेंगी। महिलाओं को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा।

930 महिलाओं के लिए आय बढ़ाने के नए अवसर सृजित होंगे। कंपनी से जुड़ी अधिकांश महिलाएं जनजातीय समुदायों की हैं और परंपरागत रूप से वनोपज संग्रहण करती हैं। जैविक प्रमाणपत्र मिलने से उनके उत्पादों की देश के प्रीमियम जैविक बाजारों तक पहुंच आसान होने के साथ निर्यात की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। वर्तमान में कंपनी से 930 महिलाएं जुड़ी हैं। आने वाले समय में यह संख्या बढ़कर 2 हजार से अधिक होने की

संभावना है। लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहे बरस्तर में यह पहल आजीविका और आर्थिक सशक्तिकरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। केन्द्र और राज्य सरकार के प्रयासों से क्षेत्र में शांति और विकास के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। इसी क्रम में अब बरस्तर की प्राकृतिक संपदा को स्थानीय महिलाओं की आर्थिक समृद्धि से जोड़ने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जैविक प्रमाणिकरण से वनोपजों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रीमियम जैविक बाजार उपलब्ध होने के साथ साथ अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक निर्यात की संभावनाएं खुलेंगी। महिलाओं को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा।

नवनियुक्त राज्यपालों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी बधाई

■ मुख्यमंत्री ने कहा- समृद्ध अनुभव और कुशल मार्गदर्शन से संबंधित राज्यों में सुशासन एवं जनकल्याण को मिलेगी नई मजबूती



रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा विभिन्न राज्यों के लिए नियुक्त राज्यपालों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने केरल के राज्यपाल के रूप में नियुक्त श्री ओम प्रकाश माथुर, तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में नियुक्त श्री राजेंद्र विश्वनाथ आल्लेंकर, ओडिशा के राज्यपाल के रूप में नियुक्त श्री ब्रज मोहन राम, कर्नाटक की राज्यपाल के रूप में नियुक्त डॉ. सुधा यादव, उत्तराखंड के राज्यपाल के रूप में नियुक्त डॉ. ढाल सिंह बिसेन तथा सिक्किम के राज्यपाल के रूप में

नियुक्त श्री दुष्यंत गौतम को नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सभी नवनियुक्त राज्यपालों का दीर्घ सार्वजनिक जीवन, समृद्ध अनुभव और कुशल मार्गदर्शन संबंधित राज्यों की विकास यात्रा को नई गति प्रदान करेगा तथा सुशासन, जनकल्याण और संवैधानिक मूल्यों को और सुदृढ़ करेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी नवनियुक्त राज्यपालों के सफल, यशस्वी एवं गिरिमायम कार्यकाल की मंगलकामना की है।

भारतीय रेल की माल ढुलाई में उल्लेखनीय वृद्धि

■ खाद्यान्न लोडिंग में 25 प्रतिशत, विलंकर में 20 प्रतिशत और घरेलू कंटेनर में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई



बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति मजबूत हुई

नई दिल्ली। भारतीय रेल ने सितंबर 2026 के दौरान माल ढुलाई और यात्री परिवहन दोनों क्षेत्रों में निरंतर वृद्धि दर्ज की, जिसमें माल ढुलाई में वृद्धि और कई प्रमुख वस्तु श्रेणियों में भी वृद्धि शामिल है। इस वित्तीय वर्ष के पहले छह महीनों के दौरान भी माल ढुलाई में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई, जो अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों में रेल परिवहन की निरंतर मांग को दर्शाती है।

माल ढुलाई में 6.14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

भारतीय रेल ने सितंबर 2026 में 135.35 मिलियन टन माल लोड किया, जबकि सितंबर 2025 में यह आंकड़ा 127.52 मिलियन टन था, जो पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 6.14 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। इस माह के दौरान कई प्रमुख कर्माडिटी सेगमेंट में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। खाद्यान्न की लोडिंग में 25 प्रतिशत, विलंकर में 20 प्रतिशत, घरेलू कंटेनर में 10 प्रतिशत, कोयले में 9 प्रतिशत, शेष अन्य वस्तुओं में 8.2 प्रतिशत, खनिज तेल में 6 प्रतिशत, तैयार इस्पात में 5.5 प्रतिशत और लौह अयस्क में 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

भारतीय रेल ने सितंबर 2026 के दौरान बिजली संयंत्रों को घरेलू कोयले की आपूर्ति बढ़ा दी। प्रतिदिन आपूर्ति की जाने वाली कोयले की रैकों की औसत संख्या बढ़कर 443 रैक हो गई, जबकि सितंबर 2025 में यह 397 रैक प्रति दिन थी, जो 11.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। सितंबर 2026 के दौरान माल ढुलाई राजस्व सितंबर 2025 की तुलना में 1,266 करोड़ रुपये बढ़ गया, जो 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

कुल मिलाकर, भारतीय रेल ने अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान 833.7 मिलियन टन माल लादा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसी अवधि के दौरान माल ढुलाई राजस्व में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

'पावर टू कंट्रोल' से आगे 'पावर टू एम्पावर' की सोच के साथ आगे बढ़ रहा भारत : पीएम मोदी

नई दिल्ली। ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 21वीं सदी में टेक्नोलॉजी, डेटा, ज्ञान और नवाचार ही शक्ति के नए स्रोत हैं, लेकिन असली सवाल यह है कि इस शक्ति का इस्तेमाल किस उद्देश्य के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का दृष्टिकोण 'पावर टू कंट्रोल' से आगे 'पावर टू एम्पावर' का है। भारत अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल केवल अपनी प्रगति के लिए नहीं, बल्कि दुनिया और मानवता के लिए नए अवसर पैदा करने के लिए कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम के भारत में पहली बार आयोजित होने का स्वागत करते हुए माइकल ब्लूमबर्ग और उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह मंच हर साल दुनिया के बेहतरीन दिमागों को एक साथ लाता है, जहां अर्थव्यवस्था, टेक्नोलॉजी, ऊर्जा और वैश्विक मामलों पर चर्चा होती है। उन्होंने कहा कि भारत में इस आयोजन का होना सही समय पर सही जगह का चयन है।



पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के तीसरे दशक में शक्ति की परिभाषा तेजी से बदल रही है। आज टेक्नोलॉजी, डेटा, ज्ञान और इनोवेशन शक्ति के प्रमुख स्रोत हैं। ऐसे में सवाल यह नहीं है कि शक्ति किसके पास है, बल्कि यह है कि उसका इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्या टेक्नोलॉजी केवल कुछ लोगों को आगे बढ़ाएगी या करोड़ों लोगों के लिए नए अवसर पैदा करेगी? क्या ज्ञान कुछ लोगों की ताकत बना रहेगा या सभी की क्षमता बढ़ाएगा? इसी सोच से 'पावर टू एम्पावर' का विचार सामने आता है।

राहुल अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं: रवि किशन

रायपुर। रायपुर एयरपोर्ट पर भाजपा सांसद और एक्टर रवि



किशन ने कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी मानसिक संतुलन खो चुके हैं और मारपीट पर उतारू हैं। इनकी मानसिकता प्रधानमंत्री मोदी को हरा नहीं पा रही है। अब ये हाईजैक करने पर आ गए हैं। उन्होंने कहा कि 65 साल तक कांग्रेस ने देश का शोषण किया। ये चाहते हैं कि देश फिर 65 साल पीछे चला जाए। रवि किशन ने राहुल गांधी से सवाल करते हुए कहा कि आप जब-जब चुनाव जीतते हैं और जहां-जहां आपकी सरकार बनती है, तब ईवीएम और वोट चोरी पर सवाल क्यों नहीं उठाते? जब हारते हैं, तभी सवाल उठाते हैं। दरअसल, भाजपा सांसद और एक्टर रवि किशन बिलासपुर में आयोजित पंचोडी सीजन-4 गरबा कार्यक्रम में शामिल होंगे।

केंद्रीय मंत्री मुरुगन का इस्तीफा, राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ी

■ पीएम को 5 पेज की चिट्ठी लिखी, कहा- तमिलनाडु में बीजेपी को मजबूत करेंगे



नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना और प्रसारण, संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल मुरुगन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पीएम मोदी को 5 पेज की चिट्ठी में उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ने की बात कही है। मुरुगन ने लिखा, 'आपके नेतृत्व में देश और तमिलनाडु की सेवा करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। वे गरीब परिवार से आते हैं और उनके माता-पिता मजदूरी करते थे।' तमिलनाडु के रहने वाले मुरुगन मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल अप्रैल 2030 तक था। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में मुरुगन अविनाशी (एससी) सीट से किस्मत आजमा चुके हैं। वे दूसरे नंबर पर रहे। उन्हें 56,200 से ज्यादा वोट मिले। सीएम

विजय की टीवीके के प्रत्याशी कमाली एस. से वह 15373 वोटों से हार गए थे। एल मुरुगन जब पहली बार मंत्री बने थे, तब उनके माता पता तमिलनाडु में नमक्कल जिले के कुनूर गांव में दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। एल मुरुगन के पिता लोगनाथन और मां वरदम्मल गांव में अपने छोटे से घर में रहते हैं। वह अनुसूचित जाति के अर्थथियार समुदाय से आते हैं। बेटे के केंद्रीय मंत्री बनने के बाद भी उनकी दिनचर्या में बदलाव नहीं आया था। गांव वाले बताते हैं कि बेटे के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष होने के बाद भी लोगनाथन कोरोना महामारी के टीके के लिए आम लोगों की तरह कतार में लगे थे।

सराफा कारोबारी से 1.88 करोड़ की ज्वेलरी की ठगी

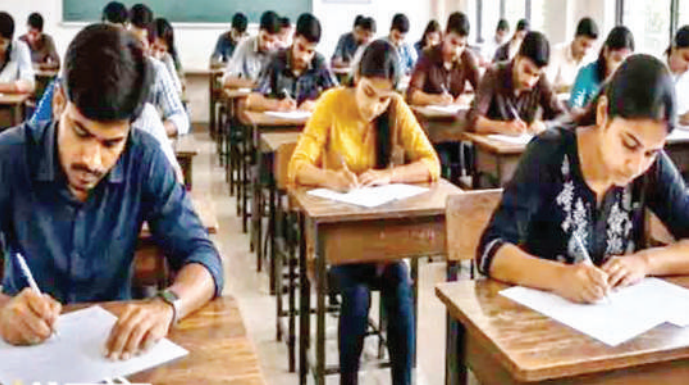


रायपुर। सदर बाजार स्थित विधि ज्वेलर्स से 1.88 करोड़ के सोने-चांदी और हरे के आभूषण धोखाधड़ी से हड़पने का मामला सामने आया था। इस मामले में पुलिस ने मंगलवार को मास्टरमाइंड महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने खुद को नगर निगम के आवास विभाग की कर्मचारी बताया था। इस तरह सलेन कारोबारी का, विश्वास जीता और गलत दस्तखत वाले चेक देकर करोड़ों के आभूषण ले लिए। इस धोखाधड़ी में एक दूसरी महिला भी शामिल है, जो अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। यह मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

सूबेदार-एसआई मुख्य परीक्षा स्थगित

■ 2 से 4 नवंबर तक होनी थी परीक्षा, नई तारीख को घोषणा अलग से होगी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में सूबेदार, उप निरीक्षक (एसआई) स्वर्ग और प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा-2024 की मुख्य परीक्षा एक बार फिर टल गई है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने मंगलवार परीक्षा स्थगित करने की सूचना जारी की। इससे पहले 24, 25 और 26 अक्टूबर को संभावित थी। बाद में इसे बदलकर 2, 3 और 4 नवंबर किया गया था। अब इन तारीखों पर भी परीक्षा नहीं होगी। आयोग ने अपरिहार्य कारणों का हवाला दिया है, लेकिन नई तारीखों का ऐलान नहीं किया है। दरअसल, सीजीपीएससी ने सूबेदार, उप निरीक्षक और प्लाटून कमांडर के 341 पदों पर भर्ती के लिए आयोजित प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट 4 अगस्त को जारी किया था। प्री परीक्षा



में 7,301 अभ्यर्थी सफल हुए हैं, जिन्हें मुख्य परीक्षा के लिए चयनित किया गया है। यह प्रारंभिक परीक्षा 12 जुलाई 2026 को प्रदेश के सभी 33 जिलों में आयोजित की गई थी। परीक्षा के लिए 183 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। मुख्य परीक्षा की तारीखों में अब तक दो बार बदलाव हुआ है। पहले परीक्षा 24 से 26 अक्टूबर के बीच संभावित थी। 25 अक्टूबर को शिक्षक

भर्ती परीक्षा होने के कारण तारीखों में बदलाव किया गया और मुख्य परीक्षा 2 से 4 नवंबर तक तय की गई। अब आयोग ने इन तारीखों पर होने वाली परीक्षा भी स्थगित कर दी है। एग्जाम स्थगित करने के पीछे अपरिहार्य कारण बताए हैं। हालांकि, इन कारणों का विस्तृत ब्योरा नहीं दिया गया है। नई तारीखों की घोषणा अलग से की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में 22 प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रशासनिक कार्यकुशलता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सचिवालय सेवा के अधिकारियों का बड़े पैमाने पर तबादला किया है। सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव मनराखन भूआर्य द्वारा जारी आदेश के तहत सचिवालय सेवा के कुल 22 सहायक सचिवालय सहायक अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अस्थायी रूप से नए विभागों में पदस्थ किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, राज्य सरकार ने सामान्य प्रशासन सौरव मंडल को गृह विभाग से सामान्य प्रशासन विभाग, ममता साहू को सामान्य प्रशासन विभाग से जेल विभाग और अभिषेक देवानग को सामान्य प्रशासन से जेल विभाग में पदस्थापना मिली है। इसके अलावा संगीता देवी को सामान्य शासन विभाग से वित्त विभाग, चन्द्रनारायण को नगरीय प्रशासन विभाग से गृह विभाग और धनेश्वर पटेल को मुख्यमंत्री सचिवालय से चिकित्सा शिक्षा विभाग में तैनाती मिली है।

हर खुशी. हर उमंग. नैवेद्य के संग

फलाहारी पुरी सब्जी

फलाहारी पाली

स्वीट्स • नमकीन • बेकरी • फॉस्टफूड

NAIVEDYA®

नैवेद्य फुड प्रॉडक्ट्स

6, 7, रहेजा टॉवर्स, जेल रोड, रायपुर
मो. 7771008500, 7771008502, 7771008501

ज ने कहा है कि दिल्ली में युवा
गयी वह बताता है कि भाजपा
रता और दमनकारी रवैया क्यों
सरकार जनता के लोकतांत्रिक
क्ष दीपक बैज ने कहा कि देश

राष्ट्रियता अति० तहसीलदार
मु.पु. जिला रायपुर (छ.ग.)
इश्तिहार
5 1...अ-6/ वर्ष 2025-26 //
72/0/2026
मु.पु. जिला रायपुर, पञ्चपद 80
द्वारा संस्थापक को सूचित किया जाता है
कावेदक सजीव यादव पिता महेश
नियमों की धारा नंबर 6 यासीदास जीव
नसीम पिता रायपुर तहसील व जिला
छ.ग. द्वारा इस न्यायालय में अंतरा 109-
पञ्चपद सहीपण 1959 के धारा 19
एण बाबत आवेदन प्रस्तुत किया है कि ग्राम
पञ्चपद 80 तहसील व जिला रायपुर
स्थित न्यायालय नं० 93/2, 121/2 रकबा
90 90, 2. 01440 80 भूमि खा बाई पति
महेश यादव, सजीव यादव, पवन यादव,
यादव सुनील यादव पिता स्व०
यादव के नाम पर दख है। सख्खोदेदार
यादव के नाम पर दख है। सख्खोदेदार
को 02.11.2015 को हो चुकी है। जिसके
बाद वारिसाण पति वारिसाण श्रीमती माखी
पति स्व० सुनील यादव, पति वारिसाण
0 योगिता यादव पति नाराज 0 अंकित
देवो पिता स्व० भूपील यादव द्वारा सुनी
मोती माखी यादव पिता स्व०
है। इसमें अतिरिक्त अन्य कोई वारिसाण
1. आवेदन द्वारा उक्त पति के यादव
लेख में प्रमुख सख्खोदेदार सुनील यादव पिता
महेश यादव को नाम विलोपित कर उनके
वारिसाणों को नाम दर्ज किया जाने पर उक्त
को नाम थानस्थित देख जाने बाबत आवेदन
न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
2. आवेदन द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में
सूचना (कमी/सूचना/सूचना) को को दावा
होने पर अगला दावा आपात आवेदन इस
पत्र में निवर्त होतरी तारीख 23/10/2026 तक
न्यायालय में रखत। अगला अपन वैध
पत्रपत्र के माध्यम से उपस्थित हो कर पत्र को
है, निमत तहसील के बाद पत्र आपात
पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।
3. न्यायालय को पद भूदा से आज
10/12/26 को जारी किया गया है।


**कार्यालय नगर पालिक निगम,
रायपुर (जोन क्र.-9)**
 प्रधान के पास, दुवे कोलनी, मोवा, रायपुर
 ID - rmczone9@gmail.com
 /35959/- न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
 दिनांक 12-10-2026
इश्तिहार
 एण प्र.क्र. 35959
नाम-8- महात्मा गांधी वार्ड
 द्वेद द्वारा सूचित किया जाता है कि
 18 इच्छा पत्र/भूमि विकासका प्रॉपर्टी
 की **RPR226101350** जो की निगम
 से **श्री/श्रीमती HEENA**
YANI पिता/पति, श्री/श्रीमती
DARYANI के नाम से दर्ज है,
 जो श्री/श्रीमती **PRITHVEE**
DOON पिता/पति, श्री/श्रीमती
LEENDRA TANDON ने मूल्य
 पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र,
 चमरा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार,
दत्त विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/
 अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक
 अधिनियम 1956 की धारा 167 के
 द्वारा आवंटन किया है। यदि कोई
 / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन
 या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15
 के भीतर प्रकाश क्रमांक सहित
 त में अपना दावा/प्रस्तुत करें।
 रत समयावधि परचत प्राप्त
 अपारित पत्र किसी प्रकार की सुनवाई
 की जाएगी। जिसके लिए यह
 न्येय जिम्मेदार नहीं होगा।
 -सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
 (जोन कमिश्नर)
 (जोन क्रमांक-9)
 नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कोयाल नगर पालिक निगम,
रायपुर (जोन क.-9)
कोयाल के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
il ID - rmczone9@gmail.com
[3/5/2076] न.पा.नि./जोन क.-9/2026
दिनांक 12-10-2026

इश्तिहार

रण प्र.छ. 35870

नाम - 7 - कुशभाऊ ठाकरे बाई

लट्ट द्वारा सुचित किया जाता है कि
7 लट्ट पवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी
डी. RPR226B00841 जो की
अभिलेख श्री/श्रीमती RADHIKA
SWAMI , VENKAT RAMAN
SWAMI पिता/पति, श्री/श्रीमती
KAT RAMAN JANSWAMI ,
HYAM SUNDER JANSWAMI
म से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 1
शकुला 2 हर्ष शकुला पिता/पति,
मती कृष्ण कुमार शुकुला ने मूल
पत्र, सह पत्र, साथ पत्र, दान पत्र,
नामा, रिजिस्ट्री विलेख के अनुसार/
नाम 'कृष्ण विलेख' वंशानुक्रम/
अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक
अधिक्रियम 1956 की धारा 167 के
द्वारा आवंटन किया है। यदि कोई
/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन
या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15
के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित
न में अपना दावा/प्रस्तुत करें।
रेत समयावधि पश्चात प्राप्त
आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई
की जाएगी। जिसकी लिए यह
नियम जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करने -
श्री गणेश शर्मा -
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

सड़क सुरक्षा का संदेश लेकर दौड़ा सूरजपुर, मैराथन में 800 लोगों ने दी अपनी भागीदारी

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बाइक रैली में हुए शामिल

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-सुरक्षित सड़क, सुरक्षित जीवन का संकल्प, मंत्री ने दिलाई शपथ सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और सुरक्षित यातायात का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन सूरजपुर एवं अपना हेल्प क्यूआर के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा मैराथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। मैराथन में लगभग 800 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।मैराथन का शुभारंभ राजमोहनी माता चौक से प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री एवं महिला बाल विकास विभाग मंत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने स्वयं बाइक रैली में शामिल होकर नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित वाहन चालन का संदेश दिया। मैराथन का समापन साधुगाम सेवा कुंज में हुआ। इस दौरान रोड सेफ्टी मैराथन में विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री रामसेवक पैकरा, प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी,जनपद अध्यक्ष सूरजपुर श्रीमती ख्याति सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल, वनमण्डलाधिकारी श्री



विपुल अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले, अन्य अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक, मैराथन प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं दुर्घटना की स्थिति में त्वरित सहायता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रोड सेफ्टी अपना हेल्प क्यूआर के लोगों का शुभारंभ भी किया गया। इस पहल के माध्यम से तकनीक का उपयोग कर आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने उपस्थित जनसमूह को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे स्वयं दोपहिया वाहन चलाने समय हमेशा हेलमेट का उपयोग करते थे। उन्होंने युवाओं से कहा कि सुरक्षित यातायात की शुरुआत हमें स्वयं से करनी होगी। सड़क सुरक्षा के नियमों को केवल याद रखना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें अपने दैनिक जीवन में अपनाना भी जरूरी है। मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित

भारत 2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अनुशासित, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक ही विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने सड़क दुर्घटना पीड़ितों की सहायता के लिए शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि पीएम राहवीर योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाकर सहायता करने वाले पात्र राहवीर को 2.5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने का प्रावधान है। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के लिए निर्धारित प्रावधानों के तहत कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने नागरिकों से दुर्घटना की स्थिति में घायलों की मदद के लिए आगे आने की अपील की। इस दौरान उन्होंने अटल आरोग्य मंदिर की अवधारणा एवं इसके माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी भी साझा की। उन्होंने अटल सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता को व्यवहार में उतारना आवश्यक है। हेलमेट पहनना, सुरक्षित गति से वाहन चलाना और यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने मैराथन में शामिल प्रतिभागियों को



संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति ली गई शपथ स्वयं के साथ दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं न केवल व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करती हैं, बल्कि पूरे परिवार को अनेक कठिनाइयों और संकटों का सामना करना पड़ता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहते हुए यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करना चाहिए।उन्होंने कहा कि युवा समाज में सकारात्मक बदलाव के वाहक हैं। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से सड़क सुरक्षा के प्रति समाज में नई जागरूकता आएगी और सुरक्षित यातायात का संदेश जन-जन तक पहुंचेगा। प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी ने मैराथन में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल शपथ लेने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसका गंभीरता से पालन करना भी हम सभी की जिम्मेदारी है। सड़क सुरक्षा के नियमों को अपने दैनिक जीवन में अपनाकर हम स्वयं के साथ दूसरों के जीवन की भी रक्षा कर सकते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने तथा सुरक्षित एवं जिम्मेदार यातायात व्यवस्था के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान

किया। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने मैराथन में बच्चों एवं युवाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा हम सभी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। सड़क दुर्घटना के बाद घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर त्वरित उपचार उपलब्ध कराया जाए, तो कई अनमोल जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल 5 किलोमीटर की दौड़ नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा के प्रति हमारी सामूहिक जागरूकता, जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कलेक्टर ने जिला प्रशासन की अभिनव पहल अपना हेल्प क्यूआर का उल्लेख करते हुए कहा कि इस नवाचार का उद्देश्य दुर्घटना की स्थिति में जरूरतमंदों तक त्वरित एवं निःशुल्क सहायता पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को समय पर अस्पताल पहुंचाने और पीएम राहत योजना के अंतर्गत उपचार सुविधा का लाभ दिलाने में भी यह पहल मददगार हो सकती है। उन्होंने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने, सड़क सुरक्षा के प्रति सजग रहने तथा दुर्घटना की स्थिति में घायलों की सहायता के लिए आगे आने का संकल्प लिया। साथ ही तकनीक को जीवन बचाने का माध्यम बनाते हुए अपना हेल्प क्यूआर के जरिए जरूरतमंदों की सहायता करने की प्रतिबद्धता जताई। इस दौरान न कोई दुर्घटना अनदेखी रहेगी न कोई जरूरतमंद अकेला रहेगा के संदेश के साथ सुरक्षित एवं जागरूक समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया। एक क्यूआर, कई समाधान - आपातकाल में मददगार बनेगी डिजिटल पहल- अपना हेल्प क्यूआर सूरजपुर

जिले में इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रारंभ किया गया है। इस पहल के माध्यम से नागरिकों को एक ही क्यूआर कोड स्कैन करने पर अनेक महत्वपूर्ण सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। इनमें आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस एवं पुलिस को कॉल करने, परिजनों को सूचना पहुंचाने तथा गलत पार्किंग की स्थिति में वाहन मालिक को अलर्ट भेजने जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इस प्रणाली में उपयोगकर्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी एवं पहचान की गोपनीयता का भी विशेष ध्यान रखा गया है। जिले के सभी ब्लॉक स्टाफ पर भी क्यूआर कोड लगाए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर नागरिक आसानी से सहायता प्राप्त कर सकें। यह पहल विशेष रूप से सड़क दुर्घटनाओं के दौरान त्वरित सहायता उपलब्ध कराने, समय पर उपचार सुनिश्चित करने तथा सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। न कोई दुर्घटना अनदेखी रहेगी, न कोई जरूरतमंद अकेला रहेगा - सड़क सुरक्षा का लिया गया सामूहिक संकल्प इस अवसर पर मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने उपस्थित जनसमूह को सड़क सुरक्षा की सामूहिक शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा का संकल्प केवल स्वयं की नहीं, बल्कि दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी है। सभी ने यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट पहनने, तेज रफ्तार से बचने तथा दुर्घटना की स्थिति में घायलों की सहायता के लिए आगे आने का संकल्प लिया। साथ ही तकनीक को जीवन बचाने का माध्यम बनाते हुए अपना हेल्प क्यूआर के जरिए जरूरतमंदों की सहायता करने की प्रतिबद्धता जताई। इस दौरान न कोई दुर्घटना अनदेखी रहेगी न कोई जरूरतमंद अकेला रहेगा के संदेश के साथ सुरक्षित एवं जागरूक समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया।

कार्तिक उरांव की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम को लेकर प्रेमनगर में बैठक आहूत

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-जनजाति सुरक्षा मंच के तत्वावधान में आगामी 29 अक्टूबर को अंबिकापुर में आयोजित होने वाले महान आदिवासी नेता एवं जनजातीय समाज के गौरव स्वर्णीय कार्तिक उरांव जी की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम को लेकर प्रेमनगर स्थित गोंडवाना भवन में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों, जनजातीय समाज की सहभागिता तथा अधिक से अधिक संख्या में समाज के लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने समाज की एकता, संस्कृति, परंपरा एवं महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। बैठक में 29 अक्टूबर को अंबिकापुर में होने वाले मूर्ति अनावरण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों एवं जनसंपर्क पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही समाज के लोगों से कार्यक्रम में बड़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की गई। जनजाति सुरक्षा मंच ने समाज के सभी लोगों से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर



इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में अपनी सहभागिता निभाएं तथा महान जनजातीय नेता कार्तिक उरांव जी के योगदान और विचारों को स्मरण करें कार्यक्रम संत सिंह जिला संयोजन जनजातीय सुरक्षा मंच शिवनंदन सिंग मरावी वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक सिंह राम ध्यान सिंह मनबहाल सिंह ईश्वर सिंह देवान फुलेश्वर

सिरदार महेंद्र सिंह मरावी आर डी मरावी परसराम उर्दके पीलू राम सिंह शंकर सिंह सुधन राम बंश बहादुर प्राण साय मरावी शिव प्रसाद नरेंद्र सिंह अजय सिंह विजय राम धनपत सिंह राय कुमार अदिति राम रमेशचंद्र जगसिंह जय प्रकाश सिंह सहित आदिवासी समाज के लोग मौजूद थे

सूरजपुर में मंत्री, विधायक, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने हेलमेट पहनकर निकाली रैली, सड़क सुरक्षा का दिया मजबूत संदेश

दौड़ेगा सूरजपुर, जीतेगा सूरजपुर' की थीम पर निकली हेलमेट रैली से शहरवासियों में जगा यातायात सुरक्षा का संदेश

हेलमेट पहनने, यातायात नियमों का पालन करने और सड़क दुर्घटना में घायलों की गोल्डन ऑवर में मदद कर जीवन बचाने की अपील

जनप्रतिनिधियों, युवाओं, पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों और नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक की सहभागिता

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने, दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करने तथा सड़क दुर्घटना में घायलों की त्वरित सहायता कर अमूल्य जीवन बचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं सूरजपुर पुलिस द्वारा मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026 को भव्य हेलमेट रैली निकाली गई। "'दौड़ेगा सूरजपुर, जीतेगा सूरजपुर"' की शानदार थीम पर आयोजित इस रैली में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, प्रेमनगर विधायक श्री भुलन सिंह मरावी, जिलाध्यक्ष श्री मुस्ली मनोहर सोनी, कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, पुलिस अधीक्षक श्री योगेश कुमार पटेल, श्री बाबूलाल अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, युवाओं, पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों और



नगरवासियों ने भाग लेकर सड़क सुरक्षा का संकट संदेश दिया। माननीय मंत्रियों ने हरी झंडी दिखाकर किया हेलमेट रैली को किया खलना- राजमोहनी माता चौक से साधुगाम सेवाकुंज तक निकाली गई हेलमेट रैली को स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने हरी झंडी दिखाकर खना किया। रैली में शामिल जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस बल और नागरिकों

ने हेलमेट धारण कर आमजन को यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया। रैली को देखकर शहरवासियों के बीच भी सड़क सुरक्षा और हेलमेट की अनिवार्यता को लेकर सकारात्मक संदेश पहुंचा। हेलमेट पहनें, सुरक्षित रहें और दूसरों को भी करें जागरूक- रैली का प्रमुख उद्देश्य नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना, दोपहिया वाहन चलाने समय अनिवार्य रूप से हेलमेट धारण करने

की आदत विकसित करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर चोट और मृत्यु की आशंका को कम करना रहा। साथ ही दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने और गोल्डन ऑवर के दौरान अस्पताल पहुंचाने के महत्व पर भी जोर दिया गया, ताकि समय पर उपचार मिलने से घायल की जान बचाई जा सके। स्वास्थ्य मंत्री ने की जिला प्रशासन एवं पुलिस की पहल की सराहना- स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जिला प्रशासन एवं पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए इस तरह के आयोजन बेहद महत्वपूर्ण हैं। हेलमेट पहनकर दोपहिया वाहन चलाने से दुर्घटना के दौरान सिर में गंभीर चोट लगने के जोखिम को कम किया जा सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस अभियान से नागरिकों में

हेलमेट धारण करने और यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूकता बढ़ेगी तथा लोग अपनी और दूसरों की सुरक्षा के प्रति अधिक जिम्मेदार बनेंगे। सुरक्षित सूरजपुर के लिए सामूहिक संकल्प- हेलमेट रैली ने यह संदेश दिया कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन और पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। यातायात नियमों का पालन, हेलमेट का नियमित उपयोग, दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों की त्वरित सहायता और जिम्मेदारीपूर्वक वाहन चलाने जैसे छोटे-छोटे प्रयास अनेक जिंदगियां बचा सकते हैं। जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, पुलिस और आम नागरिकों की व्यापक सहभागिता ने "'दौड़ेगा सूरजपुर, जीतेगा सूरजपुर"' की थीम को सार्थक बनाते हुए सुरक्षित एवं जागरूक सूरजपुर का संदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

बिश्रामपुर क्षेत्र में इंटक कांग्रेस के अध्यक्ष अंबिकेश्वर दुबे एवं महामंत्री सुभाष कुमार नायक दी गई नई जिम्मेदारी



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) कुछ वर्षों से एस.ई.सी.एल. विश्रामपुर क्षेत्र में कोयला मजदूर कांग्रेस (इंटक) की दयनीय स्थिति को देखते हुए केन्द्रीय अध्यक्ष एस.ई.सी.एल. गोपाल नारायण सिंह ने एस.ई.सी. एल. विश्रामपुर क्षेत्र में साउथ ईस्टर्न कोयला मजदूर कांग्रेस (इंटक) की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। जिसमें क्षेत्रीय अध्यक्ष अंबिकेश्वर दुबे एवं क्षत्रिय महामंत्री सुभाष कुमार नायक को दायित्व सौंपा है जिसकी जानकारी क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय को भी दे दी गई है। नई कार्यकारिणी (इंटक) में विश्रामपुर क्षेत्र इंटक के अध्यक्ष के रूप में अम्बिकेश्वर दुबे एवं महामंत्री के रूप में सुभाष कुमार नायक को जिम्मेदारी दी गई। साथ ही संयुक्त सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में अम्बिकेश्वर दुबे एवं सुभाष कुमार नायक को मनोनित किया गया है वहीं क्षेत्रीय कल्याण समिति के सदस्य के रूप में श्री लखवारी सिंह एवं श्री सुभाष कुमार नायक को नियुक्त किया गया है। एवं क्षेत्रीय खान सुरक्षा समिति के सदस्य के रूप में श्री अम्बिकेश्वर दुबे एवं श्री राम निवास को नियुक्त किया गया है। उक्त नियुक्ति से विश्रामपुर क्षेत्र के कामगारों एवं पुराने संगठन कार्यकर्ताओं में प्रशान्त देखी जा रही है।

श्याम मेटालिक्स समूह ने फुतामुरा कोयला ब्लॉक के खनन अधिकार हासिल किए, बैकवर्ड इंटीग्रेशन को मिलेगी मजबूती

कोलकाता : श्याम मेटालिक्स समूह ने अपने संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और परिचालन विस्तार की दिशा में एक बड़ा रणनीतिक कदम उठाया है। समूह ने आलम सोलर प्राइवेट लिमिटेड में निवेश किया है, जिसे पुतामुरा कोयला ब्लॉक के खनन अधिकारों के लिए सफल बोलीदाता घोषित किया गया है। उन्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में स्थित समृद्ध मांड-रायगढ़ कोयला क्षेत्र में फैले पुतामुरा कोयला ब्लॉक का क्षेत्रफल लगभग 7.324 वर्ग किलोमीटर है। इसमें करीब 17 करोड़ टन कोयले का अनुमानित भंडार है। यहां जुलाई 2027 से खनन कार्य और कोयला उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। यह रणनीतिक पहल श्याम मेटालिक्स समूह के लिए बैकवर्ड इंटीग्रेशन यानी कच्चे माल की आपूर्ति पर अधिक नियंत्रण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य समूह के कैपिटल बिजली संयंत्रों और इस्पात निर्माण इकाइयों की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थिर, दीर्घकालिक और फिक्स्ड कोयला आपूर्ति सुनिश्चित करना है। महत्वपूर्ण कच्चे माल के भंडार तक पहुंच हासिल करके समूह ने परिचालन में आत्मनिर्भरता, सतत विकास और सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम पर श्याम मेटालिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक बृज भूषण अग्रवाल ने कहा, "आलम सोलर प्राइवेट लिमिटेड में हमारे समूह का निवेश और पुतामुरा कोयला ब्लॉक के अधिकार हासिल करना पूर्ण आत्मनिर्भरता की दिशा में हमारी रणनीतिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

हिमालया बेबीकेयर ने जेंटल बेबी वॉश कैंपेन 'पहले स्पर्श के लिए पहला भरोसा' लॉन्च किया

रायपुर: डॉक्टरों द्वारा अनुशंसित नंबर 1 ब्रांड, हिमालया बेबीकेयर ने अपने जेंटल बेबी वॉश के लिए नया कैंपेन लॉन्च किया है, जो माता-पिता बनने के शुरुआती दौर के सबसे खास और भावनात्मक पलों में से एक - शिशु के पहले स्नान - पर केंद्रित है। एक नई माँ और नर्स के बीच दिल को छू लेने वाली बातचीत के तौर पर बनाई गई यह फ़िल्म उन भावनाओं - जैसे असुरक्षा का एहसास, चिंता और अपने शिशु की सुरक्षा को लेकर सहज सुरक्षात्मक भावनाओं - को जीवंत करती है, जो बच्चे के पालन-पोषण के शुरुआती पलों की पहचान हैं। जब माँ अपने नज्वात शिशु को घर ले जाने की तैयारी करती है, तो बच्चे के पहले स्नान के लिए सही उत्पाद चुनने को लेकर उसकी चिंता स्वाभाविक रूप से सामने आती है। भरोसा दिलाने वाली बातचीत में, नर्स उसकी चिंताओं को समझते हुए उसे एक सुरक्षित, सौम्य और भरोसेमंद विकल्प - हिमालया जेंटल बेबी वॉश - की ओर ले जाती है। यह फ़िल्म इस उत्पाद के प्रमुख फ़ायदों को दर्शाती है, जिसमें इसका सौम्य, 'नो-रियर्स' (ऑखों में जलन न करने वाला) और सोप-फ़्री फ़ॉर्मूला, श्व 5.5 का संतुलन, जो त्वचा की सुरक्षात्मक रूप को बनाए रखने में मदद करता है, और ही मृग व चना जैसे प्राकृतिक अवयव शामिल हैं। ये अवयव शिशु की नाजुक त्वचा को कोमलता से साफ़ करते हुए उसे मुलायम और हलड़ेटेड बनाए रखने में मदद करते हैं।

विश्व परिवार

संपादकीय

विदेशी दरवाजे संकुचित

श्रमिक निर्यात की नीति दरअसल देश में रोजगार सृजन की विफलता को ढकने की कोशिश रही है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आग्रजक विरोधी मुद्दों के प्रमुखता पाने से इस मॉडल के लिए चुनौतियाँ बढ़ी हैं। सूत्रों आगाह किया है कि भारत श्रमिकों के निर्यात के जिस मॉडल को आगे बढ़ा रहा था, उसकी सीमा अब आ गई है। सूत्रों ने इस मॉडल की तुलना चीन के कारखाना उत्पादों की आक्रामक निर्यात नीति से की है, जिसे अब पश्चिम में 'चाइना शॉक 2.0' कहा जा रहा है, और जिसको लेकर पश्चिमी देश अब जावाबी कार्रवाई कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा है कि उसी तर्ज पर 'इंडिया शॉक' को राजनीतिक एवं आर्थिक चुनौतियाँ मिलनी शुरू हो गई हैं। इस आकलन के मुताबिक 'इंडिया शॉक' जल्द ही 'श्रमिक प्रतिरोध की दीवार' से टकरा सकता है। अगर भी वैश्व निर्यात को भारत की विकास रणनीति के रूप में देखा गया। देश के अंदर बेरोजगारी का दबाव घटाने, विदेशी मुद्रा हासिल करने, और यहां तक कि कूटनीतिक प्रभाव बढ़ाने के लिहाज से अल्पकाल में यह नीति महदवगार रही। उन निर्विवाद है कि भारत में युवा श्रमशक्ति की अधिकता है। उन तकाजों के मुताबिक रोजगार पैदा नहीं हुए हैं। इस पृष्ठभूमि में भारतीय कर्मियों को जर्मनी, जापान, इजराइल, खाड़ी देशों आदि में रोजगार दिलाने की सरकार नीति का औचित्य समझा जा सकता है। बाहर से कमा कर भेजी गई रकम से ना सिर्फ संबंधित व्यक्ति के परिवार की माली हालत सुधरती है, बल्कि देश के लिए विदेशी मुद्रा का वह प्रमुख स्रोत भी है। बहरहाल, इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि यह नीति असल में देश में रोजगार सृजन की विफलता को ढकने की कोशिश रही है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आग्रजक विरोधी मुद्दों के प्रमुखता पाने से इस मॉडल के लिए चुनौतियाँ बढ़ी हैं। यूरोप, अमेरिका, और यहां तक कि खाड़ी देशों में भी आग्रजक निर्याथी भावनाएं बढ़ रही हैं। ईरान युद्ध ने पश्चिम एशिया में वना सकट खड़ा किया है। इसलिए अब इस नीति पर पुनर्विचार का वक्त आ गया है। यह समझने की जरूरत है कि अपनी अर्थव्यवस्था का आधार व्यापक किए बिना देश और यहां के आम की सुशहाली का कोई ठोस एवं स्थायी विकल्प नहीं है। जब विदेशी दरवाजे संकुचित हो रहे हों, तब तो यही एकमात्र रास्ता रह जाता है।

आलेख

छत्तीसगढ़ में गति पकड़ता राजस्व न्याय

विष्णु प्रसाद वर्मा

छत्तीसगढ़ में राजस्व प्रशासन को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और जनोन्मुख बनाने की दिशा में राजस्व न्यायालयों के प्रदर्शन में एक नया अध्याय जुड़ गया है। दूरस्थ अंचलों से लेकर बड़े शहरों तक भूमि, नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा और स्वामित्व जैसे आम नागरिकों के जीवन से जुड़े अत्यंत संवेदनशील मामलों को समयबद्ध सीमा में सुलझाने के लिए प्रशासनिक प्राथमिकताओं में अपभूतपूर्व बदलाव आया है। राज्यभर के राजस्व न्यायालयों में दर्ज कुल 4,67,415 प्रकरणों में से रिकॉर्ड 3,80,224 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण कर लिया गया है। इस प्रकाश संपूर्ण राज्य में मामलों के निराकरण की दर 81.35 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है, जबकि शेष 87,191 प्रकरणों के निपटारे के लिए भी लक्षित एवं सुव्यवस्थित प्रयास जारी हैं। राजस्व मामलों का शीघ्र निपटारा केवल आँकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव ज़मीन और आजीविका से जुड़े नागरिकों के रोज़मर्रा के जीवन पर पड़ता है। कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटने से मुक्ति मिलने के साथ-साथ आम जन के समय और संसाधनों की बचत होती है, जिससे राज्य में पारदर्शी एवं नागरिक-केन्द्रित व्यवस्था सुदृढ़ हो गई है। राजस्व न्याय की इस तीव्र गति में सबसे प्रेरणादायक तस्वीर राज्य के दूरस्थ एवं आदिवासी बहुल जिलों से सामने आई है, जहाँ प्रशासनिक पृष्ठ और त्वरित निर्णय क्षमता मिसाल बनी है। सुकुम जिला 92.70 प्रतिशत निराकरण दर के साथ पूरे प्रदेश में शीर्ष पर है, जहाँ 7,724 मामलों में से 6,697 का निपटारा किया गया है। इसी तरह नारायणपुर में 92.28 प्रतिशत (5,780 में से 5,334 प्रकरण), दंतेवाड़ा में 91.50 प्रतिशत (5,614 में से 5,137 प्रकरण) और बीजापुर में 89.67 प्रतिशत की उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। भौगोलिक और शीतोत्तियों के बावजूद दूधराज के क्षेत्रों में मिली यह सफलता प्रशासनिक तंत्र की प्रचुर दक्षता को दर्शाती है। वहाँ, राज्य के अधिक से अधिक भार वाले बड़े जिलों में भी प्रकरणों के निपटारे का सिलसिला तेज़ी से चल रहा है। बस्तर में 17,600 में से 15,745 प्रकरण, बलौदाबाजार-भाटापारा में 20,905 में से 18,494 प्रकरण, राजधानी रायपुर में 34,226 में से 29,824 प्रकरण, बिलासपुर में 29,495 में से 24,539 प्रकरण, जांजगीर-चांपा में 19,132 में से 16,109 प्रकरण तथा कोरबा में 19,705 में से 15,747 मामलों को हल कर नागरिकों को राहत दी गई है। राजस्व मामलों के त्वरित निस्तारण के साथ-साथ राज्य सरकार ई-भरती योजना और आधुनिक भू-सर्वेक्षण तकनीकों के ज़रिए भू-अभिलेखों के सुदृढ़ीकरण पर भी व्यापक काम कर रही है। राज्य में 431 नव ग्राम से परिवर्तित राजस्व ग्राम और 596 अर्धसर्वेक्षण या मसहती ग्रामों को मिलाकर कुल 1,027 ग्रामों का सर्वे हेतु निष्कांकन किया गया है। इनमें से 284 ग्रामों का सर्वेक्षण कार्य पूरा करके डाटा भुईयों पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है, जबकि 196 ग्रामों में अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया चल रही है। अति-संवेदनशील अनुसूमाड़ क्षेत्र और नारायणपुर जिले में भी ग्राम सर्वेक्षण की शुरुआत एक ऐतिहासिक पहल है, जहाँ 6 ग्रामों का अंतिम प्रकाशन पूर्ण कर अभिलेखों एवं नक्शों को भुईयों और भू-नक्शा सॉफ्टवेयर पर अपलोड कर दिया गया है तथा 59 अन्य ग्रामों में अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया गतिमान है। इसके अतिरिक्त, ई-भरती योजना के तहत बंदोबस्त नुटियों को सुधारने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में कोडगांव जिले की 1.10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट आवंटित किया गया है। नगरीय निकायों के कैडेस्ट्रल नक्शों को 1:500 के सूक्ष्म पैमाने पर बदलने की दिशा में भी काम तेज़ी से जारी है, जिसके तहत 22 जिलों के 396 गांवों को नए पैमाने के नक्शे प्रकाश कर दिए गए हैं, जबकि नज़ुल व परिवर्तित अभिलेखों के डिजिटलाइजेशन का कार्य भी अंतिम चरणों में है। वर्ष 2025-26 के लिए पात्र हितग्राहियों के सत्यापन एवं ई-केवाईसी की प्रक्रिया को भी प्रगति पर रखा गया है। न्यायालयीन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए लॉबित 87,191 प्रकरणों का समयावधि के अनुसार वैज्ञानिक वर्गीकरण किया गया है।

विचार-पक्ष

रायपुर, बुधवार 14 अक्टूबर 2026

डा. जयंतीलाल भंडारी

इन विभिन्न बहुआयामी प्रयासों के बावजूद भारत में टिकाऊ विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए अभी भी कई ठोस सुधारों की आवश्यकता है। केवल बेरोजगारी घटाने, बाजार और उच्च विकास दर के भरोसे रहना पर्याप्त नहीं होगा हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 25 सितंबर तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 747.6 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत आधारिक सुशास्त्री कवच बन गया है। भारत दुनिया में चीन, जापान और स्विट्जरलैंड के बाद चौथा सबसे अधिक विदेशी मुद्रा भंडार रखने वाला देश बन गया है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पिछले माह 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद ब्रिक्स देशों से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ने की संभावनाएं बढ़ी हैं। इस बात ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हुई और सऊदी अरब जैसे देशों की उपस्थिति से भारत के बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में बड़े पैमाने पर निवेश आने की उम्मीद है। इस शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिक्स देशों के बीच कृषि, तकनीक और वित्त क्षेत्रों में आपसी साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया है, जिससे भारत में प्राद्वेष्ट सेक्टर के निवेश को बढ़ावा मिलेगा। ब्रिक्स के विस्तार से नए ब्रिक्स देशों में भारतीय सामान और सेवाओं के निर्यात के नए दरवाजे खुले हैं। इस सम्मेलन ने वैश्विक आर्थिक सहयोग और कूटनीतिक प्रभाव को मजबूत करने अलग भूमिका निभाई है। जिससे वैश्विक निवेशकों का भारत पर भरोसा बढ़ा है। इन सबसे भारत में विदेशी निवेश बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि भारत का रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार भारत के लिए कई ट्रैटिकोणों से लाभप्रद है। यह वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के बीच देश को आर्थिक स्थिरता प्रदान करता है। अमरीकी डॉलर के मुकाबले रुपए में आने वाले उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए रिजर्व बैंक इस भंडार का उपयोग करता है, जिससे भारतीय मुद्रा मजबूत बनी रहती है। चाूक भारत अभी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करता है, अतएव यह विशाल भंडार देश को 10-12 महीने से अधिक के निर्यात आयात के लिए वित्तीय सुरक्षा देता है। मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार विदेशी निवेशकों को आकर्षित करता है, क्योंकि यह देश की ज़रूरतों को क्षमता



और वित्तीय मजबूती को दर्शाता है। मजबूत आर्थिक स्थिति के कारण वैश्वक एजेंसियाँ देश को क्रेडिट रेटिंग सुधारती हैं, जिससे भारतीय कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से सस्ती ऋण पर कर्ज मिलता है। वैश्विक युद्ध, महंगाई या अन्य देशों के केंद्रीय बैंकों ने फेसलता से उत्पन्न आर्थिक संकटों को झेलने में विदेशी मुद्रा भंडार सुरक्षा कवच की तरह मदद करता है।

गोदातलब है कि हाल ही में जहां विभिन्न वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों-जापानी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (जेसीआर), एसएंडपी रेटिंग्स और फिच रेटिंग्स ने भारत के विदेशी मुद्रा भंडार की मजबूती को रेखांकित किया है, वहीं भारतीय रिजर्व बैंक की विशेष डॉलर-रूपए विदेशी मुद्रा अदला-बदली (फोरेस् स्वेप) सुविधा के तहत अभूतपूर्व सफलता ने वैश्विक वित्तीय संकट में भारत की आर्थिक साख और मजबूती का एक नया अध्याय लिख दिया है। यह महत्वपूर्ण है कि 8 जून 2026 को शुरू की गई इस योजना के प्रति अविश्वसनीय भारतीयों (एनआरआई) ने ऐसा अभूतपूर्व उत्साह दिखाया कि आरबीआई को अपने लक्ष्य समय से पहले ही निर्धारित लक्ष्य हासिल हो गए। यह परिस्वर बताता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति वैश्विक स्तर पर विश्वास का भरोसा अटूट है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि गत 18 अगस्त को गजट अधिसूचना के बाद लागू करधान एवं अन्य कानून (संशोधन) अधिनियम 2026 अब भारत में विदेशी पूंजी को आकर्षित करने, कर व्यवस्था में स्पष्टता लाने और फेरुल विनिर्माण को सुदृढ़ बनाने के परिप्रेक्ष्य में अत्यंत महान भूमिका

भाषणा। इसका मुख्य उद्देश्य भारत को वैश्विक पूंजी और व्यापार के लिए अधिक आकर्षक व भरोसेमंद गंतव्य बनाना है। यह अपटटीय निवेश कोषों (ऑफ़शोर इन्वेस्टमेंट फंड्स) व बड़े प्रबंधकों के लिए निशानों को सरल बनाता है, जिससे भारत से परिचालन करने वाले कोष प्रबंधकों को कर संबंधी जटिलताओं का सामना न करना पड़े। इससे वैश्विक केंद्रों में कार्यरत भारतीय व विदेशी प्रबंधक सुगमता से भारत को कर करोंगे। इसके अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र के लिए उपकरण आपूर्ति पर मिलने वाली आयकर छूट को वर्ष 2040-41 तक विस्तारित किया गया है।

सीमा शुल्क-बंधित (कस्टम्स-बॉन्डेड) गोदामों में इलेक्ट्रॉनिक प्रदर्शकों के भंडारण को कर-मुक्त करने और डेटा सेंटर्स के लिए प्रक्रियाओं को सुगम बनाने से वैश्विक कंपनियाँ भारत में बड़े पैमाने पर निवेश के लिए आकर्षित होंगी। इससे रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। यह तब ही उल्लेखनीय है कि 21 साल बाद भारतीय वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने और लगभग 30-35 ट्रिलियन डॉलर को अर्थव्यवस्था बनाने और प्रति व्यक्ति आय करीब 18000 डॉलर करने के लिए बुनियादी ढांचे, तकनीक और विनिर्माण क्षेत्र में भारी निवेश की आवश्यकता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को लगातार औसतन करीब 9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर बनाए रखनी होगी। इतने बड़े विकास लक्ष्य को अकेले घरेलू संसाधनों से पूरा करना संभव नहीं होगा, इसलिए विदेशी पूंजी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि

आर्थिक सुधारों के पिछले 35 वर्षों में जो विदेशी मुद्रा भारत में धीमी गति से आई है, अब कारगर और अन्य कारकों (संशोधन) अधिनियम 2026 के लागू होने के बाद भारत की ओर विदेशी मुद्रा के प्रवाह में तेजी आने की पूरी संभावनाएँ हैं। यदि हम भारत में विदेशी पूंजी का आकर्षित करने के ऐतिहासिक प्रयासों पर दृष्टि डालें तो ताते पाते हैं कि 1991 के आर्थिक संकट के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और वित्त मंत्री डा. मनमोहन सिंह द्वारा आर्थिक सुधारों का नया दौर शुरू किया गया था। तब से अब तक विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए निरंतर कई ठोस कदम उठाए गए हैं। बीमा, दूरसंचार और खुदरा (रिटेल) जैसे प्रमुख क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत तक कर दी गई है। रक्षा क्षेत्र में भी कुछ शर्तों और नियमों के साथ 100 प्रतिशत एफडीआई अनुमति दी गई है। अधिकांश क्षेत्रों में पूर्व-सरकारी अनुमति के बिना (स्वचालित मार्ग से) निवेश करने की छूट प्रदान की गई। पुराने और कठोर 'फेमा' (एफआईआर) कानून को समाप्त कर लचीला 'फेमा' (एफईएमए) लागू किया गया जिससे विदेशी मुद्रा का प्रवाह और लेनदेन आसान हो गया। देश को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने और विदेशी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए मेक इन इंडिया अभियान शुरू किया गया। निवेशकों को ई में छूट, सरल निर्यात और आधुनिक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) का विकास किया गया। प्रमुख विनिर्माण क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने वाली कंपनियों को वित्तीय प्रोत्साहन देने के लिए उत्पादन-लिंकड प्रोत्साहन (पीएलआई) जैसी व्यवस्थाएँ की गईं। व्यापार को गति देने के लिए चालू खाते पर रूपरेखा और पूरी तरह से परिवर्तनीय बनाया गया तथा भारतीय शेयर बाजार में विदेशी संस्थानत और पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए नियमों को सरल किया गया। इन विभिन्न बहुआयामी प्रयासों के बावजूद अभी भी टिकाऊ विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए अभी भी कई ठोस सुधारों की आवश्यकता है। केवल बड़े घरेलू बाजार और उच्च विकास दर के भारोसे रहना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए देश के नियामक ढांचे, कर प्रणाली और कानूनी तंत्र में व्यापक बदलाव अनिवार्य हैं। दीर्घकालिक निवेश के लिए स्थिर नीतियाँ पहली प्राथमिक शर्त हैं।

शारदीय नवरात्रि: माँ दुर्गा की आराधना से नारी शक्ति का जागरण

नौ दिन की साधना, आत्मबल और सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प

श्रीमती सावित्री ठाकुर/ लेखिका महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की केंद्रीय राज्य मंत्री हैं



और समाज के प्रति अपने दायित्वों का संकल्प लेने का समय भी है। नवरात्रि का प्रत्येक दिन एक विशेषण लेकर आता है। माँ शैलपुत्री दृढ़ संकल्प, माँ ब्रह्मचर्यानी तपस्या और अनुशासन, माँ चंद्रप्रदानी साहस तथा माँ कुष्मांडा सृजनाशीलता की प्रेरणा देती हैं। माँ स्कंदमता वात्सल्य, माँ कात्यायनी अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, माँ कारात्रि निर्भयता, माँ महागौरी पवित्रता और माँ सिद्धिदात्री सन्तान की पूर्णता का संदेश देती हैं। व्रत, ध्यान, मंत्र-जप और सेवा के माध्यम से हम मन को एकाग्र कर सकते हैं तथा अपने जीवन में सकारात्मकता और अनुशासन ला सकते हैं।

सच्ची साधना वही है, जो हमारे विचारों को शुद्ध करे, व्यवहार में संवेदनशीलता लाए और हमें दूसरों के कल्याण के लिए प्रेरित करे।

माँ की आराधना और
नारी शक्ति का सम्मान

भारतीय परंपरा में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। माँ दुर्गा का स्वरूप हमें यह दिलाता है कि नारी में ममता और करुणा के साथ साहस, नेतृत्व और संघर्ष की अद्भुत क्षमता भी विद्यमान है। आज महिलाएँ शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन, उद्यमिता, कृषि और राजनीति सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का परिचय दे रही हैं। नारी शक्ति का वास्तविक सम्मान केवल देवी को पूजा तक सीमित नहीं होना चाहिए। हमें इसी विमर्शपूर्ण है कि प्रत्येक बेटी को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके निर्णयों का सम्मान करने और भेदभाव से मुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के प्रयास ही माँ की आराधना को वास्तविक अर्थ प्रदान करते हैं। जब एक महिला शिक्षित और आत्मनिर्भर बनती है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। इसलिए महिला सशक्तीकरण केवल महिलाओं के विकास का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में नारी सम्मान से ग्रहणमर्मांश के: महिला एवं बाल विकास की नई दृष्टि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

शिक्षा को स्थानीय आर्थिकी से जोड़ने की जरूरत

प्रो. सतपाल

विद्यालय एवं महाविद्यालय में शिक्षा के
विद्यार्थियों को यह समझाने का माध्यम बने
है कि उनकी शिक्षा वास्तविक जीवन और
रोजगार में कैसे उपयोगी हो सकती है
हिमाचल प्रदेश जैसे दुर्गम, पहाड़ी क्षेत्र में
शिक्षा की लौ जलाना एक समय सबसे
बड़ी चुनौती थी, लेकिन समय के साथ-
साथ शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से विस्तार किया
गया, नतीजतन आज प्रदेश पूर्ण साक्षरता
की ओर बढ़ रहा है। लेकिन साक्षरता के
बाद आला खाल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का
आता है और उसके साथ यह प्रश्न भी
जुड़ता है कि शिक्षा का मूल उद्देश्य क्या
होना चाहिए ? नीतिनिर्माता अवसर
गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बात करते हैं, लेकिन
गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की परिभाषा क्या है ?
क्या वह शिक्षा जो रोजगार उपलब्ध कराए,
गुणवत्तापूर्ण मानी जाए या वह शिक्षा जो
एक जागरूक, जिम्मेदार और सभ्य
नागरिक तैयार करे ? वर्तमान समय में हम
कहीं न कहीं इन सवालों के बीच उलझ चुके
दिखाई देते हैं। शिक्षा का मूल उद्देश्य धीरे-
धीरे रोजगार प्राप्त करने तक सीमित होता
जा रहा है। बचपन से ही हमें यह समझाया
जाता है कि पढ़-लिखकर अच्छी नौकरी
प्राप्त करनी है, लेकिन वह अनिश्चित कम
बताया जाता है कि शिक्षा का उद्देश्य एक

मान और जिम्मेदार नागरिक
शायद यही कारण है कि आज
ल्यान्ड का सबसे बड़ा पैमाना
तला रहा है। ऐसे में सबसे
सवाल यह है कि क्या हमारी
व्यवस्था हिमाचल की अपनी
और रोजगार की जरूरतों से
गांव-गांव तक विद्यालय और
पहुँचने के बावजूद बड़ी
गुवा रोजगार की तलाश में हैं।
नौती केवल शिक्षा का विस्तार
हैं, बल्कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था
उत्पन्न करने की है जो ज्ञान, व्यक्तित्व,
शिक्षण चेतना और रोजगार जैसे
साथ लेकर चले। प्रदेश में
अनुत्पन्नीय वृद्धि देखने को
लेकिन इसके साथ शिक्षित
की चुनौती भी लगातार गंभीर
दे रही है। उपलब्ध आँकड़ों के
प्रदेश के रोजगार कार्यालयों में
75 से 7 लाख बेरोजगार
। इनमें करीब 1.19 से 1.41
क तथा 72 से 76 हजार
एम फ्लि और पीपेडि धारक
इसके अतिरिक्त लगभग 2.85
मैट्रिक स्तर के युवा भी रोजगार
में हैं। ये केवल वो आंकड़ें हैं
कार्यालयों में दर्ज हैं, इसके
नेकों ऐसे डिग्री धारक हैं जो

भी अपने अध्ययन वर्गों आवधिक श्रम करने-जून 2026 के अंतर्गत् करतें हैं। देश में 15-29 वर्ष की दर 24.1 प्रतिशत व औसत से काफी उच्च युवाओं में भी शिक्षित के आसपास महिलाओं, विशेषकर के लिए रोजगार प्राप्त करने अधिक दिखाई सरकारी नौकरी के रोजगार का माध्यम ऐसे में प्रतियोगी रण युवाओं के लिए न जाता है। लेकिन देश में रोजगार क्षमताएं हर शिक्षित युवा को लालना संभव नहीं। दिशा को सरकारी बढाकर स्थानीय बढाकर पैदा करने पर तैर, ताकि शिक्षित मार्ग पर चलकर रोजगार के अवसर के अनेकों सरकारी ए भी गए, लेकिन तक ही हो पायी है, जिसमें प्रधानमंत्री रोजगार सृजन व मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना युवाओं में उद्यमिता को बढाने के भूमिका का निर्वहन किया अतरिक हिमाचल के लिए अवसर ढूढने का अर्थ मैदानी रोजगार नीतियों की नकल कर बलिक अपनी भौगोलिक अंश विशेषताओं को अवसर में बदल श्रेणी में सबसे बड़ा क्षेत्र बागवानी नाशपाती, पलम, चेरी, आशीतोष्ण जलवायु में तथा शीतोष्ण जलवायु में तथा शीतोष्ण, लीची, अमरुद और उष्णकटिबंधीय जलवायु में प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था किया है। लेकिन रोजगार की केवल फल उत्पादन तक सीमित बलिक पीछे तैयार करना, बागवानी, कटाई-छंटाई, प्रभंडारण, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग अजैसी क्रियाओं से रोजगार की उज्जी है। अतः इन उत्पादों से उत्पाद का स्थानीय स्तर पर युवाओं के लिए उद्यमिता के इसके लिए बागवानी विषय को पर एक जरूरी विषय के रूप में जाना चाहिए जिसमें बागवानी व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया निश्चित रूप से इस सन्दर्भ में म

कार्यक्रम प्रदेश के तहतव्यवपूर्ण है। इसके अन्तर्गत गांवों के होम-स्टे संचालक का व्यावहारिक ज्ञान के सहयक सिद्ध होगा। इसके अलावा कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी रोजगार, की नई संभावनाएं तराशने की जरूरत है, जिसमें प्राकृतिक खेती, मशरूम, मधुमक्खी पालन, फूलों की खेती, डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण और हस्तशिल्प को प्रसारित करने बज्जों से जोड़ना भी सार्थक पहल होगी। वहीं हिमाचल के पारंपरिक उत्पादों को बेहतर पैकेजिंग, ब्रांडिंग और डिजिटल विपणन के माध्यम से बड़े बाजारों तक पहुंचाना भी स्वरोजगार व उद्यमिता के द्वारा खोलने में अहम भूमिका निभा सकता है, ऐसा कहना उपयुक्त होगा। इटाने की बेहतर उपलब्धता के साथ यूएनएन के गांवों से ही ऑनलाइन अध्यापन, लेखांकन, डिजिटल प्रचार, वीडियो निर्माण, डिजाइन और अन्य सेवाओं के माध्यम से व्यापक बाजार से जुड़ सकते हैं। इससे रोजगार के साथ ग्रामीण पलायन को कम करने की संभावना भी बनती है। विद्यालयों एवं महाविद्यालय में विद्यार्थियों को यह समझाने का माध्यम बने कि उनका शिक्षा वास्तविक जीवन और रोजगार में कैसे उपयोगी हो सकती है।

गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के 93वें जन्मोत्सव हेतु रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दिया गया निमंत्रण : विजय जैन

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। प्रतिष्ठाचार्य विजय जैन जी ने कहा की आगामी 25 अक्टूबर से 27 अक्टूबर 2026 तक भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि दिगम्बर जैन अयोध्या तीर्थक्षेत्र, (उ.प्र.) में गणिनीप्रमुख आर्थिकाशिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी का 75वाँ संयम दिवस एवं 93वाँ जन्मजयंती का भव्य आयोजन होने जा रहा है। शरद पूर्णिमा के इस शुभ अवसर पर 'तीस चौबीसी जिनमंदिर शिखर कलशारोहण', 'भारतवर्षीय दिगम्बर जैन सर्वजातीय महासंघ राष्ट्रीय सम्मेलन' तथा 'गणिनी ज्ञानमती पुरस्कार समर्पण समारोह' का भी आयोजन किया जाएगा। मुख्य सभा का आयोजन 26 अक्टूबर 2026 को होगा।

इस गरिमामयी कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आज नई दिल्ली में देश के माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी से एक



श्री शांति नाथ जिनालय से निकली शोभा यात्रा, महिला मंडल ने सजाये आकर्षक चंवर



भोपाल (विश्व परिवार)। श्री शांति नाथ जिनालय शांति नगर सिंधी कालोनी से गाजे बाजे के साथ प्रभु शांतिनाथ की शोभा यात्रा निकली, श्रद्धा भक्ति उत्साह के साथ रजत मय पालकी में प्रभु की आराधना कर रहे भक्त जयकारे लगा रहे थे, मंदिर समिति अध्यक्ष पदम सराफ ने बताया तत्पश्चात अभिषेक अनुष्ठान हुए सामूहिक क्षमावाणी महोत्सव में सभी ने एक दूसरे से क्षमा मांगी, समाज की

प्रतिभाओं का सम्मान हुआ, श्री शांति नाथ जागृति महिला मंडल की एडवोकेट आशा जैन ने बताया महिलाओं द्वारा सजाए गए 64 चंवर सजाए गए, साथ ही रंगमा रंगमा रंग गयो रे, प्रभु भक्ति में रंग गयो, भजनों पर भक्ति की गई इस अवसर पर सुबोध जैन स्वदेश अमृत लाल दीपक राजू प्रदीप महिला मंडल की सविता कीर्ति मीनल रुचि विनीता सहित अनेक लोग मौजूद थे।

विधायक सुनील सोनी ने निगम जोन 5 पहुंचकर कार्य समीक्षा कर दिये निर्देश

■ दक्षिण विधायक ने गर्मी में पेयजल संकट से निपटने तैयारी अभी से प्रारंभ करने कहा, जोन 5 क्षेत्र के दक्षिण विधानसभा के वाडों को टैंकर मुक्त बनाने योजना पर कार्य करने कहा



रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी ने रायपुर नगर निगम जोन 5 कार्यालय पहुंचकर रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर निगम जोन 5 के वाडों के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए जनहित में आवश्यक निर्देश जोन के अधिकारियों को दिये।

रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी ने रायपुर दक्षिण विधायक निधि से नगर निगम जोन 5 के वाडों में प्रगतिरत सभी विकास कार्यों को जनहित में तय

समय सीमा के भीतर गुणवत्ता सहित सतत मॉनिटरिंग कर पूर्ण करने अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके साथ ही दक्षिण विधायक निधि के वर्तमान में स्थल विवाद के चलते लंबित विधायक निधि विकास कार्यों के प्रकरणों का जोन स्तर पर त्वरित समाधान कर जनहित में उन्हें प्रारंभ करवाने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

आचार्य श्री शांति सागर जी छाणी के शताब्दी वर्ष का शुभारंभ 22 नवंबर को

■ कोटा के विज्ञान नगर में होगा समारोह, आर्थिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी संसंध का मिलेगा सान्निध्य



कोटा (विश्व परिवार)। प्रशममूर्ति आचार्य श्री शांति सागर जी छाणी के शताब्दी वर्ष का शुभारंभ समारोह 22 नवंबर, रविवार को कोटा के विज्ञान नगर में आयोजित होगा। भारत गौरव, स्वस्ति धाम प्रणेता आर्थिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी संसंध के सान्निध्य में होने वाले इस समारोह के माध्यम से आचार्य श्री के त्याग, तपस्या, साधना और धर्म प्रभावना से जुड़े आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया जाएगा। आचार्य श्री शांति सागर जी छाणी का जीवन जैन धर्म की आध्यात्मिक परंपरा, संयम और

आत्मकल्याण की भावना का स्मरण कराता है। उनका शताब्दी वर्ष केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि संत परंपरा के आदर्शों को आत्मसात करने और भावी पीढ़ी को धर्म, संस्कार तथा नैतिक मूल्यों से जोड़ने का अवसर है।

आचार्य श्री के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाएंगे हसमुख गांधी

आचार्य श्री शांति सागर जी शताब्दी

वर्ष समारोह समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष हसमुख जैन गांधी ने बताया कि शताब्दी वर्ष का उद्देश्य आचार्य श्री के जीवन से जुड़ी प्रेरणाओं को समाज के बीच पहुंचाना और धार्मिक चेतना को नई ऊर्जा देना है। उन्होंने कहा कि जैन संतों का त्यागमय जीवन हमें आत्मसंयम, अहिंसा, अपरिग्रह और परोपकार की प्रेरणा देता है। ऐसे महापुरुषों के जीवन के साथ ही धर्म और संस्कारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का माध्यम बनेंगे। उन्होंने समाजजनों से समारोह में सहभागि बनकर इसे श्रद्धा, भक्ति और धर्म प्रभावना का यादगार अवसर बनाने का आह्वान किया।

समिति के सभी पदाधिकारियों ने की कोटा पधारने की अपील

समारोह समिति के सभी पदाधिकारियों ने जैन समाज के श्रद्धालुओं से 22 नवंबर को कोटा के विज्ञान नगर में आयोजित शताब्दी वर्ष शुभारंभ समारोह में अधिकाधिक संख्या में पधारने की अपील की है। उन्होंने कहा कि समारोह में शामिल होकर आचार्य श्री के त्याग, तपस्या, संयम और धर्म प्रभावना के आदर्शों को आत्मसात करें तथा इस आयोजन को सफल बनाएं। समिति के अध्यक्ष हसमुख जैन गांधी, इंदौर; कार्याध्यक्ष योगेश जैन, दिल्ली, राजेश बी. शाह, अहमदाबाद, विनोद जैन टोडी, कोटा, अशोक सेठी, बैंगलूर और राकेश सेठी, कोलकाता; उपाध्यक्ष सुरेश

संघवी, बांसवाड़ा, महेंद्र जैन, बड़गांव, प्रवीण जैन, खेरवाड़ा, राजेंद्र जैन, ग्वालियर, प्रकाश मोदी, भाटापारा, विनोद बाकलीवाल, मैसूर, धनराज जैन, जहाजपुर, डॉ. अनुपम जैन, इंदौर और मनोज बाकलीवाल, आगरा शामिल हैं।

इसके साथ ही महामंत्री ज्ञानेंद्र जैन, जहाजपुर; समन्वयक शरद पाणोत, इंदौर और राजेन्द्र जैन महावीर, सनावद; मंत्री आनंद जैन, सूर्यनगर (गाजियाबाद) और अजय सेठी, गिरिडीह; प्रवक्ता अश्विनी, दिल्ली, यथार्थ पाटनी, कोटा और भानुकुमार जैन, जहाजपुर तथा कोषाध्यक्ष पारस जैन और लक्ष्मीलाल टोंग्या, जहाजपुर ने भी समाजजनों से समारोह में पधारकर धर्मलाल लेने का आह्वान किया है।

18 अक्टूबर को मुंबई में सजेगा मैत्री का महापर्व, विश्व मैत्री महोत्सव में जुटेंगे संत और हजारों श्रद्धालु

■ राज्यपाल, उपमुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री सहित देश की विशिष्ट हस्तियों का संगम, संतों के सान्निध्य में होगा विश्व मैत्री महोत्सव



मुंबई (विश्व परिवार)। मैत्री, सद्भाव, शांति और मानवता के संदेश को समर्पित 'विश्व मैत्री महोत्सव' का भव्य राष्ट्रीय आयोजन 18 अक्टूबर 2026, रविवार को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण सभागृह, नरीमन पॉइंट में दोपहर 2 बजे से होगा। महावीरायतन फंडेशन द्वारा आयोजित यह महोत्सव सभी पंथों, धर्मों और समाज के सभी वर्गों को मैत्री एवं सद्भाव की भावना से जोड़ने का विशेष प्रयास है।

महावीरायतन फंडेशन के संस्थापक श्रद्धेय श्री देवेंद्र ब्रह्मचारी जी के निर्देशन में होने वाले इस आयोजन में सभी पंथों

के पूज्य साधु-भगवतों का पावन सान्निध्य रहेगा। समारोह में मिजोरम के राज्यपाल माननीय जनरल (डॉ.) वी. के. सिंह, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री माननीय श्री एकनाथ शिंदे, भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री माननीय श्री रामदास आठवले तथा महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री माननीय श्री मंगल प्रभात लोढ़ा सहित राजनीति, शिक्षा, साहित्य, सिनेमा और उद्योग जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों

में सामूहिक क्षमापना, प्रेरणादायी उद्बोधन, भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं विशेष सम्मान समारोह शामिल हैं। सामूहिक क्षमापना के माध्यम से आपसी कटुता को भुलाकर क्षमा,

मैत्री और सौहार्द को जीवन में अपनाने का संदेश दिया जाएगा।

विश्व मैत्री महोत्सव का मूल उद्देश्य समाज में संवाद, समरसता और विश्वबंधुत्व की भावना को मजबूत करना है। महावीरायतन फंडेशन के इस आयोजन में सभी पंथों के संतों, सामाजिक जीवन की प्रतिष्ठित हस्तियों तथा हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता रहेगी। महोत्सव के माध्यम से मैत्री, सद्भाव और मानवता का संदेश व्यापक समाज तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास किया जाएगा।

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवाओं की होगी महत्वपूर्ण भूमिका: सीएम साय



■ कौशल विकास से खुलेंगे रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को आधुनिक तकनीक और उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कौशल से सशक्त बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। तेजी से बदलती तकनीक और औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने से विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय की उपस्थिति में आज मंत्रालय महानदी भवन में पीएम-सेतु योजना के प्रदेश में क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए दुर्ग और बस्तर क्लस्टर के लिए क्रमशः फिलाई स्टील प्लॉट और एनएमडीसी लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) संपन्न हुआ। इन दोनों प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थानों की भागीदारी से आईटीआई में प्रशिक्षण को उद्योगों की



वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ने और युवाओं को रोजगारपरक कौशल प्रदान करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में कौशल विकास को रोजगार और औद्योगिक प्रगति से जोड़ने की दिशा में व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। पीएम-सेतु योजना इसी दूरदर्शी सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। छत्तीसगढ़ में इस योजना के माध्यम से आईटीआई को केवल प्रशिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि आधुनिक कौशल, नवाचार, रोजगार और उद्यमिता के केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में नए उद्योगों और निवेश के विस्तार के साथ विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित मानव संसाधन की मांग भी बढ़

रही है। हमारा प्रयास है कि उद्योगों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप दक्ष मानव संसाधन छत्तीसगढ़ में ही उपलब्ध हो और प्रदेश के युवाओं को अपने कौशल के अनुरूप रोजगार के बेहतर अवसर मिलें।

प्रदेश के 30 आईटीआई का होगा कायाकल्प

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल पर भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन ध्नु अपग्रेडेड आईटीआई योजना के अंतर्गत देशभर के एक हजार शासकीय आईटीआई को आधुनिक बनाने के लिए लगभग 60 हजार करोड़ रूपए के निवेश का प्रावधान किया गया है। योजना का उद्देश्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को आधुनिक तकनीक एवं उद्योगों की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करना, प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करना और युवाओं को रोजगार क्षमता को बढ़ाना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं देश में नील क्रांति के सूत्रधार: कर्मवीर सिंह

■ भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह महुआरा प्रकोष्ठ की बैठक में हुए शामिल



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में मंगलवार को महुआरा प्रकोष्ठ की बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री श्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आधुनिक भारत में नील क्रांति के सूत्रधार हैं।

श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने महुआरा समाज के कल्याण के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार महुआरों के लिए अलग मंत्रालय का गठन, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा और महुआरों के लिए बीमा योजना जैसी ऐतिहासिक पहल प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में ही संभव हुई है। आज छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश के महुआरे आत्मनिर्भर बन रहे हैं और उनकी आय में कई गुना वृद्धि हुई है।

भाजपा महुआरा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रदीप केवल्य ने कहा कि महुआरा प्रकोष्ठ को बृथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना है और केंद्र एवं राज्य सरकार की महुआरा हितैषी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 से पहले महुआरों और मत्स्य पालन से जुड़े सभी मामले कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत एक विभाग के रूप में कार्य करते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के करोड़ों महुआरों के कल्याण, नीली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र के केंद्रित विकास के लिए फरवरी 2019 में पहले एक अलग विभाग अधिसूचित किया और फिर मई 2019 में इसे पूर्ण मंत्रालय का रूप दे दिया।

एसबीआई के आरसेटी जगदलपुर में होममेड अगरबत्ती निर्माण का निःशुल्क प्रशिक्षण शुरू

जगदलपुर (विश्व परिवार)। ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं और महिलाओं को स्वावलंबन तथा स्वरोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से भारतीय स्टेट बैंक द्वारा आहुवाल में संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में बैसिक ऑफहोम मेड अगरबत्ती निर्माण का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 04 अक्टूबर से शुरू हुए इस विशेष प्रशिक्षण सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों को अगरबत्ती निर्माण से जुड़े हर तकनीकी और व्यावहारिक पहलू में दक्ष बनाया जा रहा है।

प्रशिक्षण के दौरान शिक्षार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली अगरबत्ती तैयार करने, विभिन्न प्रकार के मिश्रण (परफ्यूम ब्लेंडिंग) बनाने,



आकर्षक पैकेजिंग और तैयार उत्पाद के सफल विपणन (मार्केटिंग) की समग्र जानकारी दी जा रही है। संस्थान द्वारा प्रतिभागियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूरे प्रशिक्षण काल में भोजन, आवासीय व्यवस्था तथा आवश्यक शिक्षण सामग्री पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे दूर-दराज के प्रतिभागी बिना किसी आर्थिक चिंता के अपना कौशल निखार सकें। पाठ्यक्रम के सफल समापन पर सभी अभ्यर्थियों को मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, साथ ही अपना स्वतंत्र व्यवसाय शुरू करने या उसका विस्तार करने के लिए बैंक ऋण सहायता हेतु आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा स्थानीय युवाओं और महिलाओं से इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया गया है।

मिडास व्यापारी कल्याण समिति के त्रैवार्षिक चुनाव संपन्न



रायपुर (विश्व परिवार)। मिडास व्यापारी कल्याण समिति के त्रैवार्षिक चुनाव (सत्र 2026-2029) में एकता और सौहार्द की मिसाल पेश करते हुए समस्त व्यापारी बंधुओं की सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का निर्विरोध

निर्वाचन हुआ। चुनाव में श्री महेश वृजवानी जी अध्यक्ष, श्री संदीप खंडेलवाल जी उपाध्यक्ष, श्री ललित जैन जी सचिव तथा श्री भावेश व्यास जी कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए।

संक्षिप्त समाचार

गरियाबंद नगर पालिका की अव्यवस्थाओं के खिलाफ कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन आज

20 सूत्रीय मांगों को लेकर नगर पालिका कार्यालय का होगा घेराव, दोपहर 12 बजे जुटेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता

गरियाबंद। नगर पालिका परिषद गरियाबंद में व्याप्त विभिन्न अव्यवस्थाओं के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने 14 अक्टूबर 2026, बुधवार को उग्र प्रदर्शन करने और नगर पालिका कार्यालय का घेराव करने का ऐलान किया है। कांग्रेस द्वारा नगर पालिका से जुड़ी 20 सूत्रीय मांगों को लेकर यह आंदोलन किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता दोपहर 12 बजे गरियाबंद स्थित कांग्रेस भवन में एकत्रित होंगे, जहां से आंदोलन की आगामी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। कांग्रेस कमेटी द्वारा नगर पालिका की कार्यप्रणाली और विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए यह प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। पार्टी ने 20 सूत्रीय मांगों के माध्यम से नगर पालिका से जुड़े मुद्दों को उठाने का निर्णय लिया है। आंदोलन के जरिए इन मांगों पर ध्यान आकर्षित करने और संबंधित समस्याओं के निराकरण की मांग की जाएगी। जिला कांग्रेस कमेटी के इस ऐलान के बाद 14 अक्टूबर को होने वाले प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में नगर पालिका कार्यालय का घेराव कर मांगों को प्रमुखता से उठया जाएगा।

एचडीएफसी बैंक ने 10,000 से ज्यादा शानदार ऑफर के साथ फेस्टिव ट्रीट्स 2026 लॉन्च किया

मुंबई: भारत के प्रमुख प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने आज अपने सालाना फेस्टिव ट्रीट्स 2026 कैपेन के लॉन्च की घोषणा करके देश भर में त्योहारों के मौसम की शुरुआत की है। पूरे देश में चलने वाले इस सालाना कार्निवल में लोन, कार्ड, सेविंग्स और करंट अकाउंट और कार्ड पर इजीईएमआई जैसे कई ऑफ़र शामिल हैं, जिससे ग्राहकों के लिए त्योहारों की खरीदारी ज्यादा सस्ती और फ़ायदेमंद हो जाती है। एचडीएफसी बैंक का इस साल फेस्टिव ट्रीट्स कैपेन टोटल चिद आल योर हार्ट (दिल से खुशियाँ बाँटें) थीम पर आधारित है। यह अपनों को तोहफ़े देने की खुशी का जश्न मनाता है और त्योहारों की खरीदारी को प्यार, देखभाल और साथ रहने के एहसास में बदलता है। बैंक कई तरह के प्रोडक्ट्स पर ऑफ़र दे रहा है, जैसे एक्सप्रेस पर्सनल लोन, एक्सप्रेस कार लोन और अन्य व्हीकल लोन, होम लोन, गोल्ड लोन, स्पेशल सेविंग्स अकाउंट और मार्गबिजनेस, जो एड-टू-एंड बिजनेस बैंकिंग समाधान देता है। ग्राहकों को एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड और डेबिट/क्रेडिट कार्ड (दिल से इजीईएमआई के जरिए त्योहारों की खरीदारी करने पर 70,000 रुपये तक बचाने का मौका मिलेगा।

जयपुर रग्स वार्षिक विशेष छूट 2026 – कारीगरी का उत्सव, बेटियों की शिक्षा और आत्मनिर्भरता की ओर एक कदम

नई दिल्ली: जयपुर रग्स, हाथ से बनाए गए रग्स और कालीनों के क्षेत्र में भारत के प्रमुख नामों में से एक, जयपुर रग्स वार्षिक सेल 2026 की घोषणा करता है। इस वर्ष लगभग 10,000 रग्स का एक विस्तृत संग्रह पेश किया जा रहा है, जिसमें अलरा-अलगर शिल्प, डिजाइन, तकनीक और क्रौटों के विकल्प शामिल हैं। ग्राहकों को इन पर 60 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। लेकिन इस वर्ष जयपुर रग्स की सेल का उद्देश्य इससे कहीं बड़ा है। 2026 की इस पहल के तहत बिक्री की एक निश्चित राशि ग्रामीण इलाकों की उन लड़कियों के लिए साइकिल पंढ में दी जाएगी, जो स्कूल जाने के लिए लंबी दूरी पैदल तय करती हैं। यह पहल एक ऐसी वास्तविकता को सामने लाती है, जो देखने में बहुत साधारण लग सकती है—भारत के कई ग्रामीण इलाकों में घर से स्कूल की दूरी यह तय कर सकती है कि किसी लड़की के लिए शिक्षा कितनी आसान या मुश्किल होगी। इन लड़कियों के लिए साइकिल सिर्फ आने-जाने का साधन नहीं है। यह समय बचाने, लंबी दूरी कम करने, सुरक्षा बढ़ाने और स्कूल की पढ़ाई जारी रखने का एक माध्यम बन सकती है। सबसे सार्थक बदलाव कई बार बहुत साधारण चीजों से आता है। शहरों में हम कई ऐसी सुविधाओं के बीच रहते हैं, जिनके बारे में हम शायद ही कभी सोचते हैं। लेकिन जब हम ग्रामीण भारत की ओर देखते हैं, तो एक साधारण साइकिल का न होना भी शिक्षा के रास्ते में एक बड़ी बाधा बन सकता है। अगर हम किसी लड़की के लिए उस बाधा को थोड़ा भी कम कर सकें, तो एक राग की खरिद किसी बहुत बड़ी यात्रा का हिस्सा बन जाती है। हमारा मानना ​​है कि व्यापार ऐसा होना चाहिए जो केवल हमारे रहने की जगहों में ही नहीं, बल्कि उनसे जुड़े लोगों के जीवन में भी मूल्य पैदा करे, योगेश चौधरी, मैनेजिंग डायरेक्टर, जयपुर रग्स। इस पहल के माध्यम से जयपुर रग्स घर में राग लाने की रोजमर्रा की खरीदारी को घर से बाहर किसी और के जीवन में संभावनाएं पैदा करने के विचार से जोड़ना चाहता है। यह ग्रामीण भारत के साथ ब्रांड के लंबे जुड़ाव और इस विश्वास का विस्तार है कि शिल्प, रोजगार और अवसर लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

वन्यजीव की आहत से बस्तर के जंगलों में दहशत

राजेश दनानी

जगदलपुर। अब नक्सल मुक्त बस्तर जंगलों में वन्यप्राणियों के बीच भी सुशासन का असर दिखाई देने लगा है। यहां जंगली जानवरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। शेर, बाघ, तेंदुओं और भालुओं की आमद अब जंगल से होकर नदी किनारे बसे ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही है। वन अधिकारियों को वन्य प्राणियों के साथ ही ग्रामीणों की भी सुरक्षा के ठोस उपाय करने होंगे। रिवार सुबह खराहा डोंगरी के समीप धान के खेत की मेड़ पर ग्रामीणों को बड़े आकार के पर्दचिह्न दिखाई देने की जानकारी भी सामने आई है। ग्रामीण उसे शेर के पंजों का निशान बता रहे हैं।हालांकि वन्यजीव की वास्तविक पहचान की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों से वन्यजीव दिखाई देने की सूचना मिलने के बाद बकावंड वन विभाग रेंज की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। वन विभाग द्वारा पर्दचिह्नों तथा घटनास्थल से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। फ्लिहाल संबंधित वन्यजीव की मौजूदगी और उसकी प्रजाति को



लेकर कोई ठोस आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में जांच पूरी होने और विभागीय पुष्टि होने तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जटिलबाजी होगी। बस्तर जिले के बकावंड के जंगलों में वन्यजीवों की आहत से दहशत का माहौल है।उत्तनार-पाईकपाल में बड़े जानवर के ताजा पर्दचिह्न मिले हैं। खराहा डोंगरी के पास धान के

खेत की मेड़ पर वन्यजीव दिखने की चर्चा भी है।वन विभाग की टीम जांच में जुट गई है।वन विभाग के बकावंड रेंज अंतर्गत ग्राम पंचायत उत्तनार और पाईकपाल के जंगलों में इन दिनों वन्यजीव की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों के बीच चिंता का माहौल है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, बशनिवार सुबह कुछ ग्रामीणों और राहगीरों ने एक बड़े वन्यजीव को

देखने की बात कही है।

उत्तनार, पाईकपाल, जूनावनी, टिक्सगुड़ा और आसपास का क्षेत्र घने जंगलों और वनक्षेत्रों से जुड़ा हुआ है। जंगल से लगे खेतों और ग्रामीण रास्तों पर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में किसी बड़े वन्यजीव की मौजूदगी की सूचना से ग्रामीणों में स्वाभाविक रूप से चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों की मांग है कि वन विभाग क्षेत्र में निगरानी बढ़ाए, पर्दचिह्नों की वैज्ञानिक तरीके से जांच करे और लोगों को वन्यजीवों से सुरक्षित रहने के संबंध में आवश्यक जानकारी दे।

उत्तनार स्थित प्रसिद्ध भद्रकाली माता मंदिर क्षेत्र के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। नवरात्रि के अवसर पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। मंदिर तक आने-जाने वाले मार्गों के आसपास जंगल होने के कारण मौजूदा सूचना की आवश्यकता बढ़ा दी है।ऐसे में वन विभाग को मंदिर तक आने-जाने वाले रास्तों और आसपास के वनक्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने,

जरूरत के अनुसार रात की व्यवस्था करने तथा ग्राम पंचायत और मंदिर समिति के साथ समन्वय बनाने की आवश्यकता है। यदि वन्यजीव की मौजूदगी की पुष्टि होती है, तो विभाग को परिस्थितियों के अनुरूप सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। वन्यजीव की पहचान स्पष्ट होने तक ग्रामीणों को अपह्राहों से बचने और बिना पुष्टि के किसी संदेश या तस्वीर को साझा नहीं करने की जरूरत है। लोगों को अकेले जंगल की ओर जाने, वन्यजीव के करीब पहुंचने या पर्दचिह्नों का पीछा करने से बचना चाहिए। किसी वन्यजीव के दिखाई देने पर सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए तत्काल वन विभाग को सूचना देना उचित होगा। खराहा डोंगरी के पास मिले पर्दचिह्न मिलने और वन्यजीव देखे जाने की सूचना की पुष्टि होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि क्षेत्र में किस वन्यजीव की मौजूदगी है। फ्लिहाल ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग की सतर्क निगरानी और समय पर आधिकारिक जानकारी जारी करना महत्वपूर्ण है।

बस्तर दशहरा 2026 ऐतिहासिक रथ परिक्रमा आज से शुरू



जगदलपुर में बदली यातायात व्यवस्था

जगदलपुर। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा के पावन अवसर पर आज, 13 अक्टूबर 2026 से ऐतिहासिक रथ परिक्रमा का विधिवत शुभारंभ हो रहा है। इस भव्य आयोजन और रथ परिक्रमा के दौरान मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर सहित पूरे नगर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। जनसमूह एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा और शहर में सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन ने यातायात व्यवस्था में व्यापक फेरबदल करते हुए नई गाइड लाइन लागू की है।

रथ परिक्रमा अवधि के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर के चारों ओर, संजय मार्केट से मिताली चौक, एसबीआई चौक व एमएलबी स्कूल से गोल बाजार की ओर, स्वर्गीय बलीमाम कश्यप चौक से सिरहासार की ओर, दामोदर पेट्रोल पंप से दंतेश्वरी मंदिर की ओर, दुर्गा चौक से तिवारी बिल्डिंग तथा ठाकुर रोड गली से गोल बाजार की ओर जाने वाले सभी मार्गों पर चार पहिया एवं भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है।

शहर को जाम से मुक्त रखने के लिए भारी वाहनों के आवागमन हेतु विशेष डायवर्जन व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत रायपुर, ओडिशा और जगदलपुर से दंतवाड़ा की ओर जाने वाले भारी वाहनों को आड़ुवावाल-तेलीमारंगा बाईपास मार्ग का उपयोग करना होगा। साथ ही पदयात्रियों की बड़ी संख्या को

देखते हुए बीजापुर, दंतवाड़ा एवं गीदम की ओर से आने वाले भारी वाहनों को गीदम पार करने के बाद सड़क किनारे सुरक्षित खाली स्थानों पर रोका जाएगा, जहां पार्किंग के बाद वे सुबह होने पर ही आगे बढ़ सकेंगे। इसी तरह जगदलपुर और रायपुर से दंतवाड़ा, बीजापुर व सुकुमा पर आने जाने वाले भारी वाहनों को मारंगा बाईपास के पास पार्क कराया जाएगा और वे भी सुबह ही अपने गंतव्य के लिए रवाना हो सकेंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जगदलपुर शहर के भीतर रात्रि के समय भारी मालवाहक वाहनों का आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि यात्रियों की सुविधा के लिए यात्री बसें अपने निर्धारित रूट पर चल सकेंगी, लेकिन पैदल श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए बस चालकों को अनिवार्य रूप से धीमी गति की सीमा का पालन करना होगा। इस संतूर्ण प्रतिबंध व्यवस्था से एम्बुलेंस, दमकल व अन्य आपातकालीन सेवा से जुड़े वाहनों को पूरी तरह मुक्त रखा गया है। नवरात्रि एवं बस्तर दशहरा में शामिल होने वाले दर्शनार्थियों और नागरिकों की सुविधा के लिए शहर में सात प्रमुख पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। चार पहिया व अन्य वाहन चालक अपने वाहन डीईओ ऑफिस के बाजू, बस्तर हाईस्कूल मैदान, पुराना बस स्टैंड, जैन मंदिर रोड स्थित प्रताप देव वाई पार्किंग, ठाकुर रोड स्थित अमृत होटल के सामने, बाप्ता लॉज गली के पुराने कोर्ट परिसर तथा दामोदर पेट्रोल पंप की तरफ बने स्थलों पर पार्क कर सकते हैं। प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं एवं नागरिकों से अपील की है कि वे नियमों का पालन कर व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

धान छोड़ो, दूसरी फसल अपनाओ और पाओ 15 हजार प्रति एकड़!

कृषक उन्नति योजना का नया स्वरूप मंजूर, किसानों को मिलेगा बड़ा आर्थिक संवल; 31 अक्टूबर तक पंजीयन का मौका

गरियाबंद (विश्व परिवार)। धान की पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर अब खेती-किसानी में बदलाव की नई राह खुलेगी। राज्य शासन ने कृषक उन्नति योजना के नवीन स्वरूप को मंजूरी देते हुए खरीफ सीजन में धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलें उगाने वाले किसानों को 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की आदान सहायता देने का प्रावधान किया है। सरकार की इस पहल से किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहन मिलेगा, वहीं दलहन-तिलहन उत्पादन बढ़ाने, जल संरक्षण तथा मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को 31 अक्टूबर 2026 तक पंजीयन कराना होगा।

धान की जगह वैकल्पिक फसलें उगाने

पर मिलेगा प्रोत्साहन- कृषि विभाग के उपसंचालक चंदन राय ने बताया कि खरीफ सीजन में धान के स्थान पर कम पानी में तैयार होने वाली तथा बेहतर मूल्य देने वाली वैकल्पिक फसलों की खेती करने वाले पात्र किसानों को योजना का लाभ दिया जाएगा। इसमें अरहर, उड़द, मूंग, सोयाबीन, मूंगफली, तिल, कोदो, कुटकी, रागी, मक्का, कपास सहित अन्य स्वीकृत फसलें शामिल हैं।

इस पहल का उद्देश्य किसानों को पारंपरिक धान की खेती के साथ-साथ दूसरी फसलों की ओर प्रोत्साहित करना है, ताकि खेती की लागत और प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम करने के साथ किसानों की आमदनी बढ़ाने की संभावनाएं मजबूत हों।

डिजिटल सर्वे से होगा फसल का सत्यापन- योजना में पारदर्शिता बनाए रखने और वास्तविक पात्र किसानों तक सहायता पहुंचाने के लिए डिजिटल फसल सर्वेक्षण अनिवार्य किया गया है। किसानों को समितियों के माध्यम से एकीकृत किसान पोर्टल पर अपनी भूमि और प्रस्तावित फसल का ऑनलाइन

पंजीयन कराना होगा। डिजिटल क्रॉप सर्वे के जरिए यह सत्यापित किया जाएगा कि संबंधित खेत में वास्तव में धान के स्थान पर स्वीकृत वैकल्पिक फसल की खेती की गई है।

योजना के तहत वे पंजीकृत किसान पात्र होंगे, जिन्होंने पिछले खरीफ सीजन में धान की खेती की थी और आगामी खरीफ सीजन में धान के बदले अन्य खरीफ फसल लेने के लिए पंजीयन कराया है। ट्रस्ट, मंडल, प्राइवेट लिमिटेड कंपनी, शाला विकास समिति, केंद्र एवं राज्य शासन के संस्थान तथा महाविद्यालय आदि इस योजना के लाभ के पात्र नहीं होंगे।

पहले से दूसरी फसल लेने वाले किसानों को भी मिलेगा लाभ- सरकार ने पहले से दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी और कपास जैसी फसलों की खेती करने वाले किसानों के लिए भी सहायता का प्रावधान रखा है। ऐसे किसानों को एकीकृत किसान पोर्टल और एग्रीस्टैक पर पंजीयन कराने तथा डिजिटल क्रॉप सर्वे में खेती के रकबे की पुष्टि होने के बाद मान्य रकबे पर 10 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से आदान सहायता दी जाएगी।

जगदलपुर में शराब दुकान का दरवाजा तोड़कर घुसा हिस्ट्रीशीटर, शराब नहीं देने पर कर्मचारियों से गाली-गलौज

धरमपुरा की घटना, कोतवाली पुलिस ने राजा ध्रुव को गिरफ्तार कर भेजा जेल

जगदलपुर। धरमपुरा स्थित शराब दुकान में देर रात हंगामा करने और कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी देने के मामले में कोतवाली पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर राजा ध्रुव (34) को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दुकान बंद होने के बाद वह दरवाजे पर लात मारकर उसे तोड़ते हुए अंदर घुस गया और कर्मचारियों से शराब की मांग करने लगा। शराब देने से मना करने पर उसने गाली-गलौज करते हुए कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी दी।

घटना 10 अक्टूबर की रात



करीब 10 बजे की है। उस समय शराब दुकान बंद हो चुकी थी और मैनेजर अंदर कार्यालयीन काम कर रहा था। इसी दौरान राजा ध्रुव वहां पहुंचा। दुकान बंद होने की जानकारी देने के बावजूद वह नहीं

माना और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश कर गया। इसके बाद शराब को लेकर विवाद शुरू हो गया। आरोपी ने मैनेजर और अन्य कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया तथा मारपीट करने

पर उतारू हो गया। घटना के बाद दुकान के मैनेजर ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। मैनेजर और गवाहों के बयान लेने के साथ अन्य साक्ष्य जुटाए गए। इसके बाद पुलिस ने राजा ध्रुव को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी राजा ध्रुव तेतरखुटी क्षेत्र में पानी टंकी के पास, छत्रपति शिवाजी वार्ड क्रमांक 35 का निवासी है। मामले में कोतवाली पुलिस आगे की वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर रही है।

बुकिंग कैंसल करवा रहे ट्रिस्ट, प्रशासन विकल्प तैयार करे, वरना बस्तर के पर्यटन उद्योग को लग सकता है ग्रहण - जतिन

होटल कारोबारियों की प्रशासन से गुहार ओडिशा के कोरापुट से जगदलपुर तक बस सेवा जरूरी, विकल्प मिला तो आएं सैलानी....

जगदलपुर। बस्तर दशहरा में शामिल होने के लिए जगदलपुर आने वाले सैलानियों की राह में ओडिशा का लैंड स्लाइड बाधा बन गया है। यात्री ट्रेनें जगदलपुर तक नहीं पहुंच पा रही हैं तो दूसरी ओर पर्यटक होटलों में कराई गई अपनी बुकिंग कैंसल करवा रहे हैं। इसका सीधा असर होटल कारोबार पर पड़ने के साथ ही ऐतिहासिक बस्तर दशहरा में सैलानियों की आमद पर भी पड़ने की आशंका है।

बस्तर दशहरा... 75 दिनों तक चलने वाला ऐसा ऐतिहासिक पर्व, जिसकी अनूठी परंपराएं देश-दुनिया के सैलानियों को आकर्षित करती हैं, लेकिन इस बार पर्व के



दौरान ओडिशा में हुए लैंड स्लाइड ने पर्यटकों की आवाजाही पर संकट खड़ा कर दिया है। रेलमार्ग बाधित होने की वजह से यात्री ट्रेनें जगदलपुर तक नहीं पहुंच पा रही हैं। ऐसे में जिन पर्यटकों ने बस्तर दशहरा देखने के लिए पहले से होटल बुकिंग कराई थी, वे अब अपनी बुकिंग कैंसल करवा रहे हैं। इससे होटल कारोबारियों को आर्थिक

नुकसान की आशंका है तो बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखने आने वाले सैलानियों की संख्या में भी गिरावट आ सकती है।

परमिट फ्री बसें चलाएं- इस स्थिति को देखते हुए होटल एसोसिएशन ने प्रशासन से वैकल्पिक परिवहन व्यवस्था करने की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष जतीन जायसवाल का कहना है कि पड़ोसी राज्य ओडिशा से जगदलपुर तक परमिट-फ्री बसें चलाई जाएं ताकि रेल सेवा बाधित होने के बावजूद पर्यटकों को यहां पहुंचने का विकल्प मिल सके।

पर्व नहीं पहचान है दशहरा- श्री जायसवाल का कहना है कि बस्तर दशहरा सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि बस्तर की पहचान और सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है। ऐसे में रेलमार्ग की बाधा से पर्यटकों की दूरी बढ़ी तो इसका असर पर्यटन कारोबार पर भी दिख सकता है।

साथ रखना चाहिए।

पंजीयन कराने अथवा फसल प्रविष्टि में संशोधन के लिए किसान अपने नजदीकी प्राथमिक कृषि सहकारी समिति, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी या विकासखंड कृषि कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

31 अक्टूबर अंतिम तिथि, किसान जल्द कराएं पंजीयन- कृषि विभाग ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार एकीकृत किसान पोर्टल पर अपना पंजीयन कराएं। समय पर पंजीयन, भूमि संबंधी जानकारी और डिजिटल फसल सर्वे में सही प्रविष्टि सुनिश्चित करने से पात्र किसानों को योजना का लाभ लेने में सुविधा होगी।

कृषक उन्नति योजना का नया स्वरूप किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में अहम पहल है। अब किसानों के सामने धान के अलावा दूसरी फसलों को अपनाकर आर्थिक सहायता प्राप्त करने और खेती को अधिक टिकाऊ बनाने का अवसर है।

